बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 19 ● अंक: 238 ● नई दिल्ली ● मंगलवार 13 जुलाई 2021 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

मो. 08750202102

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

उत्तराखंड में केजरीवाल ने लगाई चुनावी वादों की झड़ियां

देहरादून. उत्तराखंड की राजधानी देहरादून पहली बार पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा और कांग्रेस पर जमकर बरसे। कहा कि दोनों सरकारों ने उत्तराखंड को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

केजरीवाल ने चुनावी वादों की झड़ियां लगाते हुए कहा कि अगर 'आप' की सरकार आई तो लोगों को 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। प्रदेशभर में किसी भी जिले में बिजली कटौती नहीं होगी। कहा कि काश्तकारों को मुफ्त में बिजली दी जाएगी और पुरानें बिलों से बकाया भी माफ कर दिया जाएगा। कहा कि विधानसभ चुनाव तक वह हर महीने उत्तराखंड आएंगे। केजरीवाल ने कहा कि प्रदेश के पर्वतीय जिलों में स्थिति बहुत ही दयनीय है। कहा कि भाजपा सरकार के पास अपना कोई नेता नहीं है। यह हास्यास्पद है कि सरकार की ओर से पांच साल के कार्यकाल में तीन बार मुख्यमंत्री बदले गए हैं। कहा कि भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने उत्तराखंड में विकास कार्यों को प्राथमिकता नहीं दी है। ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए कई-कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इससे पहले देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे केजरीवाल का पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ 'आप' के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। पार्टी सूत्रों की मानें तो केजरीवाल राज्य के उपभोक्ताओं को निशुल्क बिजली उपलब्ध कराने के मुद्दे पर बड़ी घोषणा कर सकते हैं। केजरीवाल की आज शाम को ही नई दिल्ली वापसी है। उत्तराखंड दौरे के दौरान, केजरीवाल पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनमें जोश भरने की पूरी कोशिश करेंगे। बता दें कि उत्तराखंड में आप के विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद यह केजरीवाल का यह पहला उत्तराखंड दौरा है। इसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बना हुआ है। चूंकि, उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव भी हैं, ऐसे में पार्टी पूरी फिल्डिंग के साथ मैदान में उतरने की कोशिश करेगी। पार्टी सूत्रों की मानें तो आप के उम्मीदवार भाजपा और कांग्रेस वोट बैंक में सेंध लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। इस दौरान उनकी पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात होनी है, जिसमें चुनावी

रणनीति पर विचार किया जाना है। कुछ अहम लोग भी इस बीच पार्टी का दामन थाम सकते हैं। आप की चुनावी घोषणा के बाद केजरीवाल का यह पहला उत्तराखंड दौरा है इसके लिए आप कार्यकर्ताओं में खासा जोश बना हुआ है। वहीं आपको बता दें कि केजरीवाल के दौरे से ठीक एक दिन पहले आप कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सीएम आवास कूच कर आक्रोश रैली निकाली थी।

आप नेता रविंद्र जुगरान ने ऊर्जा मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में 100 यूनिट बिजली फ्री देने के बयान पर 24 घंटे में ही सीएम पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट कर दिया कि अभी इस पर कोई प्रस्ताव नहीं आया है। इससे साफ है कि सरकार के पास फ्री बिजली का कोई ठोस प्रस्ताव नहीं है, सिर्फ चुनाव जीतने के लिए बयानबाजी की जा रही है। जुगरान ने चिंता जताई है कि प्रदेश के पर्वतीय जिलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी की वजह से ग्रामीणों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस बीच अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्वीट से राज्य वासियों को निशुल्क बिजली दिए जाने की मांग को फिर उठाया है। इससे संकेत लग रहे हैं कि वो रविवार को इस बारे में बड़ी घोषणा कर सकते हैं। केजरीवाल ने बयान जारी कर रहा है कि उत्तराखंड खुद बिजली बना कर दूसरे राज्यों को बेचता है। फिर उत्तराखंड के लोगों को इतनी महँगी बिजली दी जा रही है।

जबकि दिल्ली अपनी बिजली भी नहीं बनाता, दिल्ली इसके लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर है। फिर भी दिल्ली में बिजली फ्री दी जा रही है। तो क्या उत्तराखंड के लोगों को फ्री बिजली नहीं मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि पार्टी ने इसी मुद्दे पर शनिवार को सीएम आवास घेराव किया है। इससे साफ है कि फ्री बिजली का मुद्दा आप का प्रमुख चुनावी हथियार होगा। सीएम आवास कूच के दौरान आप नेता कर्नल अजय कोठियाल को गिरफ्तार किए जाने पर दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने राज्य सरकार की निंदा की है। मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर कहा है कि कर्नल अजय कोठियाल देश के सच्चे सिपाही हैं,जिन्होंने अपने जीवन का अमूल्य समय सेना को दिया लेकिन पुलिस द्वारा सच्चे सिपाही को गिरफ्तार करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

रोडरेज के बहाने स्कूटी से पौने दो लाख रुपये उड़ाए

नई दिल्ली। शाहदरा की गीता कॉलोनी इलाके में शनिवार को रोडरेज के बहाने एक महिला समेत दो बदमाश सेल्समैन की स्कूटी से पौने दो लाख रुपये उड़ा लिए। आरोपी पीड़ित की स्कूटी की चाबी भी ले गए। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़ित 31 वर्षीय प्रमोद कुमार परिवार के साथ वजीराबाद के संगम विहार में रहते हैं। प्रमोद गांधी नगर में एक दुकान पर सेल्समैन व कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। शनिवार को दुकान मालिक आशीष गुप्ता ने प्रमोद और एक कर्मचारी दिलीप को चांदनी चौक से रुपये लाने के लिए स्कूटी से भेजा। दोनों शाम 4 बजे चांदनी चौक से 1.89 लाख रुपये लेकर गांधी नगर लौट रहे थे। रुपये के बैग के अंदर स्कूटी की डिग्गी में रखे हुए थे। दोनों जब गीता कॉलोनी इलाके में श्मशान घाट के पास पहुंचे तभी पीछे से बाइक सवार एक महिला व युवक पहुंचे। बाइक पर पीछे बैठी युवती ने उनकी पीठ पर जोर से हाथ मारा। उन्होंने स्कूटी रोक दी। महिला उतरकर उनके पास आई और बोली कि स्कूटी ठीक से नहीं चला सकते क्या और गाली-गलौज करने लगी। इसके बाद स्कूटी की चाबी निकालकर आगे जाने लगी। प्रमोद और दिलीप भी उसके पीछे जाने लगे। कुछ दूर जाने पर पीछे से युवक बाइक लेकर पहुंचा। महिला बाइक पर बैठकर युवक के साथ लक्ष्मी नगर की तरफ चाबी लेकर चली गई। प्रमोद और दिलीप वापस स्कूटी के पास आए तो देखा कि डिग्गी खुली हुई है और अंदर रखे 1.89 लाख रुपये नहीं हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, उत्तम नगर में कारोबारी के घर डकैती में थे शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में 7 जुलाई को एक एक कारोबारी के घर में बंधक बनाकर हुई डकैती के मामले में पुलिस ने रविवार सुबह मुठभेड़ में दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, ये दोनों वही बदमाश हैं जिन्होंने घर में घुसकर एक परिवार को बंधक बनाकर लूट की घटना को अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार, पकड़े गए बदमाशों के नाम मुकुल और अंकुश बताए जा रहे हैं। इस मुठभेड़ में पुलिस और बदमाशों के बीच में कई राउंड फायरिंग हुई। उत्तम नगर टर्मिनल के पास दिल्ली पुलिस ने एक स्पेशल इनपुट के आधार पर शनिवार देर रात से ट्रैप लगा रखा था। जब यह दोनों बदमाश स्कूटी पर वहां पहुंचे तो पुलिस को देखकर उन्होंने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस के ऊपर फायरिंग कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की और एक बदमाश के पांव में गोली लगी, जबकि पुलिस को अभी भी इनके अन्य साथी की तलाश है। शिकायत के मुताबिक, चार लोगों ने बिजली कर्मचारी बनकर घर में घुसकर लूटपाट की थी। यह घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। शिकायतकर्ता विनोद ने कहा, 7 जुलाई को दोपहर 2 बजे करीब 4 लोग खुद को बिजली कर्मचारी बताकर घर में घुसे। घर में घुसते ही बदमाशों ने हथियार के बल पर पूरे परिवार को बंधक बना लिया। आधे घंटे तक घर के अंदर रहे। विनोद के मुताबिक, घटना के वक्त उसकी पत्नी, सास और दो बच्चे घर के अंदर मौजूद थे। आरोपी ने कथित तौर पर महिलाओं और बच्चों के हाथ-पैर बांध दिए। विनोद ने अपनी शिकायत में कहा कि उन्होंने फिर लॉकर खोला और गहने और लगभग 7-8 लाख रुपये नकद ले गए और भाग गए।

जुलाई के अंत तक दो प्रमुख मार्ग बाधित रहेंगे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के दो प्रमुख मार्ग जुलाई अंत तक बाधित रहेंगे। एक जगह अंडरपास बनाने के लिए खुदाई का काम चल रहा है तो दूसरी जगह सड़क निर्माण कार्य के चलते आवाजाही प्रभावित है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर इन मार्ग से निकलने वालों को जाम से बचने के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलने या वैकल्पिक मार्गों के इस्तेमाल की सलाह दी है। ट्रैफिक पुलिस के ट्विटर हैंडल और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी इसकी जानकारी दी जा रही है। रिंग रोड पर धौला कुआं से एम्स जाते हुए दुर्गाबाई देशमुख साउथ कैंपस मेट्रो स्टेशन के नीचे अंडरपास का काम शुरू हो चुका है। यहां से सेन मार्टिन मार्ग तक खुदाई का काम होना है, जिसकी वजह से यह मार्ग बाधित है। मेट्रो स्टेशन से कुछ दूरी पर 150 मीटर तक ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। मेट्रो स्टेशन से वाहन रुक-रुककर चलना शुरू हो जाते हैं। निर्माण कार्य के चलते सड़क संकरी हो गई है।

देश के कई हिस्सों में इनके फैलाव को खतरनाक संकेत बता रहे विशेषज्ञ, पहले भी हो चुकी हैं केरल, बंगाल सहित अलग-अलग इलाकों में गिरफ्तारी

नई दिल्ली, अलकायदा से जुड़े अंसार गजवा तुल हिंद के आतंकी भारत के लिए बड़ा खतरा बन रहे हैं। हालांकि, अब तक सुरक्षा एजेंसियों की सजगता से आतंकियों का कोई बड़ा प्लान सफल नहीं हो पाया है। लेकिन सुरक्षा जानकार मानते हैं कि देश के अलग-अलग हिस्सों में इनका फैलना खतरनाक संकेत है। सितंबर 2020 में एनआईए ने केरल और बंगाल से नौ अलकायदा आतंकियों के पकड़ने का दावा किया था। इनके हैंडलर भी पाकिस्तान में बताए गए थे। जानकार मानते हैं कि बड़ी चुनौती इनके विदेशी आकाओं तक पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित करवाना है। ठोस सबूतों के जरिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाने की जरूरत है।

क्योंकि, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की नापाक योजना भारत में कट्टरपंथ के जरिये ऐसे संगठनों को विस्तार देने की है। हैंडलर्स तक पहुंचना होगा बीएसएफ के पूर्व एडीजी व सुरक्षा मामलों के जानकार पीके मिश्रा का कहना है कि अलकायदा के स्लीपर सेल देश के कई हिस्सों में मौजूद हैं। इनकी फंडिंग के स्रोत को खत्म करने और इनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए इनके हैंडलर्स तक पहुंचना होगा। पूर्व एडीजी का कहना है कि पाकिस्तान की आईएसआई अलकायदा भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआईएस) को फंडिंग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि पहले भी सुरक्षा एजेंसियों को जानकारी मिली है कि कट्टरपंथ की आग सुलगाकर अलकायदा और आईएस गठजोड़ से भारत के अलग-अलग हिस्सों में आतंकी हमलों की योजना बनाई गई है। पूर्व एडीजी ने कहा, केंद्रीय व विभिन्न राज्यों की एजेंसियों को मिलकर काम करने की जरूरत है। पूर्व एडीजी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल, केरल और कश्मीर में अलकायदा के सबसे ज्यादा स्लीपर सेल हैं। यूपी, बिहार और हरियाणा में भी इनके नेटवर्क की सूचना एजेंसियों के पास पहले से है। कहीं पर अलकायदा है तो कहीं आईएस प्रेरित आतंकी संगठन की मौजूदगी है। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र ने पिछले साल एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें यह दावा किया गया था कि भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा आतंकवादी संगठन हमले की साजिश रच रहा है। रिपोर्ट में बताया गया था कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा के 180 से 200 आतंकी हैं। ये भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार से हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा आईएस का सहयोगी है।

दिग्विजय ने भोपाल में जमीन आवंटन के खिलाफ किया प्रदर्शन

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने गोविंदपुरा क्षेत्र में रविवार को जिला

कांग्रेस की ओर से आयोजित प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस दौरान वे पुलिस द्वारा इस्तेमाल किए गए वाटर कैनन की चपेट में आ गए। कांग्रेस का आरोप है कि गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में विश्वकर्मा मंदिर के समीप लगभग 10 हजार वर्ग फीट जमीन एक निजी संस्था को गलत तरीके से दी जा रही है। इसके लिए संबंधित जमीन पर वृक्षों की कटाई भी की गई है। सरकार और प्रशासन के इसी कदम के विरोध में रविवार को प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सांसद सिंह के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता आगे बढ़ रहे थे, लेकिन डीआईजी इरशाद वली के नेतृत्व में पुलिस दल-बल के साथ पहले से ही तैनात थी। सांसद बैरिकेडिंग पारकर आगे बढ़ना चाह रहे थे, लेकिन डीआईजी ने स्वयं उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारें भी छोड़ीं। इसकी वजह से कांग्रेसी आगे नहीं बढ़ पाए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीआईजी के ऊपर सांसद की ओर लाठी तानने का आरोप लगाया। वहीं, सांसद दिग्विजय ने कहा कि नियम विरुद्ध जमीन आवंटन का विरोध हम सड़क, अदालत और विधानसभा में भी करेंगे। (एजेंसी)

530 प्रवासियों ने दिल्ली में बाहर के कार्ड से लिया राशन

नई दिल्ली। दिल्ली में वन नेशन वन राशन कार्ड योजना का ट्रायल काफी हद तक सफल रहा है। बीते दो महीनों मई और जून में सीमापुरी सर्कल में 500 से अधिक ऐसे लोगों को राशन कार्ड दिया गया है जिनके पास दिल्ली का राशन कार्ड नहीं था। मई-जून में सीमापुरी सर्कल में क्रमशः 157 और 373 लोगों ने इस योजना के तहत राशन लिया है। जुलाई माह का राशन वितरण अभी शुरू नहीं हुआ है। ज्ञात हो कि शीर्ष न्यायालय की ओर से 31 जुलाई तक देशभर में वन नेशन वन राशन कार्ड योजना को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत दिल्ली सरकार ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। दिल्ली ने अब तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली को नियंत्रित करने वाले खाद्य और आपूर्ति विभाग के अंतर्गत आने वाले 70 सर्कलों में से एक, सीमापुरी, में इस योजना को शुरू किया है, जिसके तहत सब्सिडी वाले खाद्यान्न मुख्य रूप से गेहूं और चावल राशन कार्ड धारकों को दिए जाते हैं। दिल्ली सरकार का खाद्य विभाग ई-पीओएस मशीनों को संचालित करने के लिए 2005 राशन की दुकानों के मालिकों और प्रबंधकों को प्रशिक्षित करने के लिए 6 जुलाई से सत्र आयोजित कर रहा है, जो अनिवार्य रूप से इस पूरी योजना के क्रियान्वन के लिए आवश्यक है। जन वितरण प्रणाली कल्याण संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार ने कहा कि सरकार को 31 जुलाई तक इंतजार करने के बजाय जल्द से जल्द नीति लागू करनी चाहिए ताकि लाभार्थी जुलाई में ही सुविधा का लाभ उठा सकें।

कोरोना ने रोकी दुनिया में सबसे ज्यादा नसबंदी करने वाले डॉक्टर की रफ्तार

इंदौर, एजेंसी. कोविड-19 के प्रकोप का असर सरकार के परिवार नियोजन कार्यक्रम पर भी पड़ा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि नसबंदियों के विश्व कीर्तिमान का दावा करने वाले प्रसिद्ध सर्जन डॉ. ललित मोहन पंत के किए गए इन ऑपरेशनों की तादाद गुजरे वित्त वर्ष में 84 फीसदी घटकर महज 2,500 पर सिमट गई। इंदौर में रहनेवाले पंत ने रविवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर कहा, कोविड-19 के प्रकोप से पहले मैं हर साल औसतन 16,000 नसबंदी ऑपरेशन करता था। लेकिन महामारी से बुरी तरह प्रभावित वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान मैं केवल 2,500 नसबंदी ऑपरेशन कर सका। सर्जन ने बताया कि मई में उनका पूरा परिवार संक्रमित हो गया था। वह स्वयं 16 दिन तक अस्पताल में भर्ती रहे थे। 65 वर्षीय सर्जन ने कहा, 'बीते 39 वर्षों के दौरान मैंने महिलाओं और पुरुषों की कुल 3.90 लाख नसबंदियां की हैं। दुनियाभर में किसी भी सर्जन ने इतने नसबंदी ऑपरेशन नहीं किए हैं। डॉ. पंत मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग में नसबंदी के प्रमुख प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. पंत ने बताया कि लॉकडाउन और कोविड-19 संबंधी अन्य बंदिशों के कारण गुजरे वित्त वर्ष में जहां नसबंदी शिविर कम लगे, वहीं महामारी के डर के कारण लोगों में भी परिवार नियोजन ऑपरेशन को लेकर हिचक दिखाई दी।

पंत ने कहा, कई लोग ऐसे भी थे जो नसबंदी ऑपरेशन से पहले कराई गई जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। लिहाजा हमने एहतियात के तौर पर इन संक्रमितों के नसबंदी ऑपरेशन नहीं किए। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन ऑपरेशन पर कोविड-19 का असर अब भी कायम है। 1 अप्रैल से शुरू हुए मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान उन्होंने ऐसे केवल 300 ऑपरेशन किए हैं। 13 लाख से ज्यादा संभावित जन्म रुके - डॉ. पंत ने कहा, भारतीय परिप्रेक्ष्य में मोटा अनुमान लगाया जाए तो मेरे द्वारा किए गए 3.90 लाख नसबंदी ऑपरेशनों से 13 लाख से ज्यादा संभावित जन्म रुके हैं। डॉक्टर का कहना है कि बिना चीरा, बिना टांका, बिना दर्द पद्धति के कारण पिछले वर्षों में नसबंदी को लेकर पुरुषों की मानसिकता बदली है। लेकिन नसबंदी ऑपरेशनों में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों की भागीदारी अभी भी बेहद कम बनी हुई है। पंत ने कहा, 'मैंने अब तक जो कुल 3.90 लाख नसबंदी कीं, उनमें पुरुषों के केवल 13,600 ऑपरेशन शामिल हैं।

अर्थशास्त्री अमित मित्रा बंगाल के वित्त मंत्री पद से दे सकते हैं इस्तीफा

कोलकाता, एजेंसी. प्रख्यात अर्थशास्त्री और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अमित मित्रा पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। यहां तक कि खराब स्वास्थ्य के कारण सक्रिय राजनीति से संन्यास भी ले सकते हैं। पार्टी सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। मित्रा 2011 से राज्य के वित्त मंत्री हैं, जब टीएमसी वाम मोर्चे के 34 साल लंबे शासन को खत्म करने के बाद सत्ता में आई थी। 73 वर्षीय मित्रा ने इस साल विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ा था। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, अमित दा राज्य के वित्त मंत्री के पद पर अब नहीं रहेंगे। उन्हें 4 नवंबर को निर्वाचित हुए बिना इस पद पर बने हुए छह महीने पूरे हो जाएंगे। उन्होंने पहले ही पार्टी नेतृत्व को सूचित कर दिया है कि वह खराब सेहत के कारण राजनीति और प्रशासन में बने रहना नहीं चाहते। लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के जोर देने पर मित्रा ने इस साल मई में तीसरी बार पार्टी के सत्ता में लौटने के बाद राज्य के वित्त मंत्री का प्रभार संभाल लिया था। एक अन्य टीएमसी नेता ने भी इसकी पुष्टि की।

निगम में भाजपा की छवि को कालिक पोत रहे है भवन विभाग-2 के भ्रष्ट अभियंता

केशवपुरम जोन, भवन विभाग-2 बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

उ.दि.न.नि का मुंगेश कश्यप, सतर्कता अधिकारी बने मुख दर्शक

(कार्यालय संवाददाता)

नई दिल्ली। केशवपुरम जोन, जन कल्याण न्याय समिति के अध्यक्ष ने कार्यालय संवाददाता को बताया कि सुप्रीम कोर्ट की मॉनीटिंग कमेटी और चेयरमैन एसटीएफ के आदेशों की अनदेखी कर उत्तरी-दिल्ली नगर निगम के केशवपुरम जोन, भवन विभाग-2 भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। जोन के अन्तर्गत आने वाले सभी वार्डो में बेलदार और कनिष्ठ अभियंताओं ने प्रति लेंटर अनुसार रेट कार्ड तैयार कर रखा है, जैसे 26 मीटर एक लाख रूपये प्रतिलेंटर, 50 मीटर सवा दो लाख रूपये प्रतिलेंटर 100 मीटर 5 लाख रूपये प्रतिलेटर और अवैध रूप से बनाया गया और बनाया जा रहा तहखाना रेट प्रत्येक लेंटर से डबल हो जाते है और निर्माण की हाईट के अतिरिक्त रकम (काली कमाई) देनी पढ़ती है। 100 मीटर से अधिक में आपर्टमेन्ट बनाना हो तो तीन गुना रकम प्रत्येक लेंटर की दी जाती है। इस अवैध निर्माण के काले कारोबार में क्षेत्रीयें नेता, बेलदार, कनिष्ठ, सहायक, अधिशासी व अधीक्षण अभियंता तक की मिलीभगत होती है। अवैध निर्माण की काली कमाई से बने अंबानीयों द्वारा करवायें जा रहे अवैध निर्माण की शिकायत रद्दी की टौकरीयों में डाल दी जाती है। अवैध निर्माण बदस्तुर युद स्तर पर जारी रहता है। अधिशासी अभियंता जे.बी.मीणा, सहायक अभियंता एस.के.सिंगल, संजीव कुमार, कनिष्ठ अभियंता निशांत सिंह, संजय कुमार, आलोक तिवारी, वीनू खन्ना, सुदेश कुमार, नरेन्द्र मीणा, नवीन कुमार, दीपक त्यागी, राहुल श्रीवास्तव अपने प्राईवेट और एमसीडी के कर्मचारियों को बेलदार बनाकर गली-गली और सड़कों पर किये जा रहे अवैध निर्माणों की रेकी करते है और बिल्डर माफिया और सम्पत्ति धारक से मिलीभगत कर अवैध निर्माण से प्रत्येक लेंटर, बेसमेंट, प्लाट में ग्रुप हाउ. 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77,

अवैध निर्माण की काली कमाई से ई.ई जे.बी.मीणा, ए.ई एस.के.सिंगल, संजीव कुमार, जे.ई निशांत सिंह, संजय कुमार, आलोक तिवारी, वीनू खन्ना, सुदेश कुमार, नरेन्द्र मीणा, नवीन कुमार, दीपक त्यागी, राहुल श्रीवास्तव बने "अंबानी" अभियंताओं की काली कमाई चल-अचल व बेनामी सम्पत्ति की श्रीमान निदेशक जी, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग।

78 में किये जा रहे अवैध निर्माणों से 100 करोड़ रूपयें माह की अवैध वसूली अधिशासी अभियंता जे.बी.मीणा, सहायक अभियंता एस.के.सिंगल, संजीव कुमार और कनिष्ठ अभियंता नरेन्द्र मीणा, संजय कुमार, आलोक तिवारी, दीपक त्यागी, सुदेश कुमार, निशांत सिंह, सोभित राणा और बिल्डर माफियों का गठजोड़ ऐसा है कि जैसे दामन चौली का बिल्डर माफिया डीएमसी एक्ट, अग्निशमन नियमों और सरकारी फुटपाथ, गलीयों, सड़कों पर बगैर नक्शे के अवैध निर्माण कर पूरे वार्डो को स्लम युद्र एरिया बना रहे है और अवैध निर्माण में चार-चार फुट के छज्जे, बेसमेंट, पांच-पांच मंजिला तान देते है। बिल्डर माफिया अभियंताओं को 5 लाख रूपयें लेंटर रिश्वत खोरी का देते है और अभियंताओं का भी पूर्ण आर्शिवाद इन बिल्डर माफिया पर बना रहता है। सूत्रों अनुसार बताया जाता है कि इस 100 करोड़ो रूपयें माह की काली कमाई का प्रतिशत अनुसार हिस्सा उपायुद्र श्री विक्रम सिंह मलिक और अधीक्षण अभियंता-2, जगपाल को दिया जाता है। 100 करोड़ की काली कमाई का बंदर बांट करने में ससूर-जमाई रिश्तेदार) अधिशासी अभियंता जे.पी.मीणा, कनिष्ठ अभियंता नरेन्द्र मीणा, संजय कुमार और बेलदार की मिलीभगत से पूरी इमानदारी से प्रतिशत अनुसार किया जाता है, फिर चाहे सतर्कता अधिकारी हो, स्थानीय एसडीएम हो सब को खुश किया जाता है। समाजसेवी संस्था जन कल्याण न्याय समिति ने अवैध निर्माण से बने अभियंता अंबानी की चल-अचल सम्पत्ति, हर माह काली कमाई की निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से जांच करने की मांग की। शेष अगले अंक में पढ़े वार्डो में कहां-कहां अवैध निर्माण किया जा रहा है।

खानपान और व्यायाम से दिखें

आकर्षक

हमें खूबसूरत और जवान बने रहना है तो थोड़ा परिश्रम करना जरूरी है। अच्छी सेहत के लिए परिश्रम और खानपान पर भी ध्यान देना चाहिए। आच्छा खान पान इंसान के शरीर को ताकत तो प्रदान करता है साथ ही साथ उसके शरीर को सुन्दरता भी प्रदान करता है।

जवान दिखना तो सभी चाहते हैं, खासकर युवतियां। एक उम्र तक तो आप जवां देख सकते हैं पर उसके बाद सुन्दर और जवां दिखने के लिए व्यायाम और उचित खानपान का सहारा लेना पड़ता है। यदि आप भी जवां दिखना चाहती हैं तो उचित डाइट और अपनी जीवनशैली पर ध्यान दें। सुबह जल्दी उठें और सैर पर जाएं। सुबह की ताजी हवा त्वचा में ताजगी भर देती है। सैर पर जाने से पहले नीबू पानी शहद के साथ लें। शहद दिनभर एनर्जी देता है।

यदि आप चाय की शौकीन हैं तो कम चीनी और कम दूध वाली चाय लें। चाय के साथ एक-दो बिस्किट कम चीनी और घी वाले लें। लेमन टी लें तो सबसे अच्छा है।सुबह का नाश्ता जरूर करें। नाश्ते में मीठा दलिया, नमकीन दलिया, जूस, दूध, कार्नफ्लेक्स, अंडा-ब्रेड, जो अच्छा लगे, लें। अंडा उबालकर ब्रेड गर्म कर सैंडविच बना कर लें। इसमें कैलोरीज भी कम मिलेगी और एनर्जी पूरी मिलेगी। बारह-साढ़े बारह बजे अंकुरित दाल एक कटोरी, उसमें खीरा, प्याज, टमाटर, गाजर, मूली मौसमानुसार लें। कभी-कभी फल बारीक कटे हुआ एक कटोरी दही में मिलाकर भी ले सकते हैं। लेकिन दूध और दही कम फैट वाला हो।लंच टाइम में पूरा खाना लें। शाकाहारी लोग 2 चपाती, एक कटोरी दाल, थोड़ी हरी सब्जी और एक कटोरी दही लंच में लें।

यदि आप चावल की शौकीन हैं तो एक कटोरी चावल उबले हुए लें। चपाती चोकर युक्त आटे वाली बिना घीवाली लें। शाम के समय फैटलेस नमकीन आधी कटोरी एक कप चाय के साथ लें, चाहें तो नमकीन के स्थान पर दो छोटे बिस्किट भी ले सकती हैं।

रात्रि खाने से पूर्व ताजी हरी सब्जियों का सूप एक कटोरी लें। खाने में सलाद, सब्जी, दाल ले सकती हैं। बदलाव के लिए सूप के साथ दो ब्रेड स्लाइस रोस्ट करके ले सकती हैं। कभी-कभी रात्रि के समय सब्जियों से भरा पुलाव दही और पुदीना चटनी के साथ ले सकती हैं या सब्जियों से भरपूर दाल चावल की खिचड़ी भी खा सकते हैं। रात को सोते समय बिना चीनी का कम फैट वाला एक कप गर्म दूध लें। इससे नींद भी अच्छी आएगी। इसके अलावा सीढ़ियां चढ़कर अपने फ्लोर पर जाएं। यदि नौकरी करते हैं तो ऑफिस में भी एलीवेटर का प्रयोग न कर सीढ़ी का प्रयोग करें। पार्टी वगैरह पर जाने से पहले सलाद फिलर के रूप में लेकर जाएं ताकि पार्टी का भारी खाना कम खा पाएं।

अगरबत्ती

भी पहुंचा सकती है स्वास्थ्य को नुकसान

हर व्यक्ति चाहे वो स्त्री हो या पुरुष पूजा करता ही है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि यह पूजा भी आपको बीमार कर सकती है। जी हां इसका कारण है पूजा में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री अगरबत्ती।

एक ताजा अध्ययन के अनुसार, अगरबत्ती जलाने से हमारे आस-पास का वायुमंडल प्रदूषित हो जाता है, जिसके कारण हमारे फेफड़ों की कोशिकाओं में सूजन आ सकती है। अमेरिका के चैपल हिल में स्थित उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय में किए गए ताजा अनुसंधान में कहा गया है कि अगरबत्तियों को जलाने से प्रदूषणकारी गैसों का उत्सर्जन होता है, जिसमें कार्बन मोनोऑक्साइड शामिल है।

पर्यावरण शोध पत्रिका के एक अंक में यह शोधपत्र प्रकाशित हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के मुताबिक लंबे समय से चल रही सांस की बीमारी के कारण प्रतिवर्ष करीब 10 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस बीमारी का मुख्य कारण स्टोव एवं खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दूसरे खुले चूल्हों से निकलने वाली प्रदूषणकारी गैसें हैं। शोध में यह बताया गया की कम अगरबत्ती या फिर पूजा करने के बाद कुछ देर के लिए बाहर चले जाने से इस प्रकार की गैस से बचा जस सकता है।

सेहत बनाने में कारगर होती है

सुबह की सैर

आज के इस बदलते परिवेश में जहां युवा अपने काम के सिलसिले में देर रात तक जागकर काम करने को तवज्जो देते हैं। वहीं वो सुबह देर से उठने को भी उतनी ही तवज्जो देते हैं।यह आदत उन्हें कई गंभीर बीमारियों की ओर धकेल देती है। इन सब चीजों से बचने का केवल एक ही तरीका है। वह है सुबह की सैर। आइए जानते हैं। शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहने के लिए कसरत करना चाहते हैं, पर उसके लिए वक्त नहीं निकाल पा रहें हैं। तो ऐसे में क्यों न हर सुबह थोड़ी देर सैर ही कर ली जाए! सैर को व्यायाम का सबसे सुरक्षित तरीका माना जाता है। चाहे आप अपनी ऊर्जा का स्तर बढ़ाना चाहती हैं या वसा कम करना चाहती हैं, सैर से अच्छा व्यायाम कोई नहीं है। सैर में थोड़ा-सा बदलाव लाकर इसे और ज्यादा कारगर बनाया जा सकता है। अगर आप चाहती हैं कि सैर से आपको सही फायदा मिले तो आपको उसी अनुरूप सैर भी करना होगा।

अगर आप अतिरिक्त वसा को जलाना चाहती हैं, तो आपको ज्यादा देर और ज्यादा तेजी के साथ सैर करना चाहिए। आप जितनी ज्यादा देर तक सैर करेंगी, उतनी ही ज्यादा कैलोरी को जलाने में आपको मदद मिलेगी। हालांकि संतुलन बनाना बेहद जरूरी है। अगर आपने अभी-अभी सैर करना शुरू किया है, तो शुरुआत में तीव्रता और गति को कम रखें। धीरे धीरे अपनी रफ्तार को बढ़ाते हुए मध्यम या तेज स्तर तक लेकर जाएं। वजन कम हो जाने के बाद व्यायाम को जारी रखना और भी महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार के सैर हैं कारगर

साइड वे वॉक : साइड वे पर चलना अर्थात पैर के किनारों की ओर दबाव बनाकर चलने से जांघों का व्यायाम होता है। इस हिस्से की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, साथ मेटाबॉलिज्म भी बेहतर तरीके से काम करता है।

हाथों को हिलाते हुए चलना: चलते समय कंधों के स्तर तक दोनों हाथों को एक-एक करके हिलाने से शरीर के ऊपरी हिस्से का व्यायाम होता है। शरीर को अच्छी शेप मिलती है तथा अतिरिक्त फैट कम हो जाता है।

पैर की अंगुलियों पर चलना : पैर की अंगुलियों पर चलने से टांगों की मांसपेशियों का व्यायाम होता है। इस हिस्से का फैट कम होता है तथा कैलोरीज बर्न होती हैं, जिससे टांगे अच्छी शेप में आ जाती हैं।

साधारण सैर : पहले पांच मिनट के लिए धीमी गति से चलें, धीरे-धीरे अपनी गति को बढ़ाएं, यह व्यायाम को शुरूकरने का सबसे अच्छा तरीका है।

8 की आकृति में चलना : 8 की आकृति में चलने से हमारे उदर की पेशियों का व्यायाम होता है तथा इस हिस्से में फैट कम हो जाता है।

ब्रिस्क वॉक यानी तेजी से चलना: इस तरह की सैर आपके हृदय के लिए सबसे अच्छा व्यायाम है। इसके लिए आप 100 से 500 मीटर की दूरी तय कीजिए तथा निर्धारित समय में चल कर इस दूरी को तय कीजिए। धीरे-धीरे दूरी को बढ़ाइए। इससे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है।

रुक-रुक कर टहलना: चलते समय बीच-बीच में रुकने से ठीक से सांस लेने का मौका मिलता है। शरीर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियां रिलैक्स हो जाती हैं तथा निचले हिस्से का बेहतर वर्कआउट होता है।

पीछे की तरफ चलना: अपने पीछे की तरफ चलने से कूल्हे की पेशियों का व्यायाम होता है और इससे शरीर का यह हिस्सा सही शेप में आ जाता है। इससे इस हिस्से में फैट को कम करने में मदद मिलती है।

सैर के फायदे

- इससे चर्बी को कम करने में मदद मिलती है।
- सैर करने से दिल की क्षमता बढ़ती है।
- इससे शरीर का चयापचय बेहतर होता है।
- निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सैर करते रहने से शरीर में एन्ड्रोफिन नामक हार्मोन बनता है, जिसे खुश रखने वाला हॉर्मोन कहा जाता है।
- सैर करने से मांसपेशियों की क्षमता बढ़ती है।
- शरीर का वजन नियंत्रित रहता है।

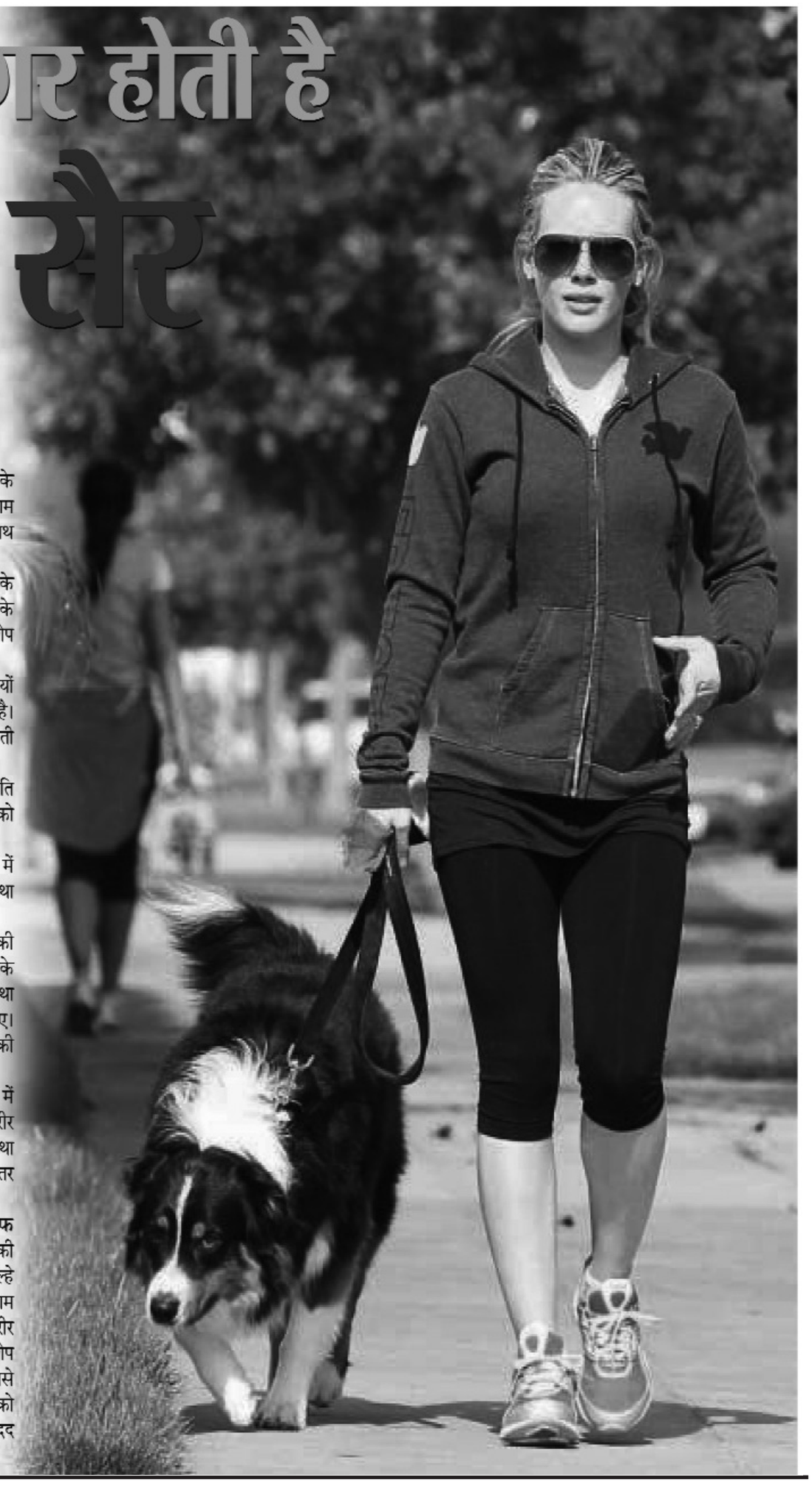

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 10वीं और 12वीं में दाखिले के लिए 20 जुलाई तक पंजीकरण का मौका

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय ने सरकारी स्कूलों में 10वीं और 12वीं में दाखिला के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत दिल्ली निवासी अभिभावक समेत बच्चे शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिला के लिए निदेशालय की वेबसाइट www.edudel.nic.in पर 20 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। शिक्षा निदेशालय ने निजी समेत अन्य स्कूलों से सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए यह दाखिला प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत निदेशालय ने दाखिला के लिए मानदंड भी तैयार किए हैं। निदेशालय ने प्रत्येक संकाय के लिए अलग-अलग मानदंड बनाए हैं। निदेशालय के अनुसार गणित विषय के साथ विज्ञान संकाय में दाखिला के लिए कुल 55 फीसदी अंक होने चाहिए। साथ ही पिछली कक्षा में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी में 50 फीसदी अंक होने चाहिए। जो छात्र बिना गणित के साथ विज्ञान संकाय में दाखिला लेना चाहते हैं, उनके भी पिछली कक्षा में कुल 50 फीसदी अंक होने चाहिए। जबकि, विज्ञान और अंग्रेजी में 50-50 अंक और गणित में आवश्यक रूप से 40 अंक होने चाहिए। इसी तरह कॉमर्स संकाय में दाखिला के लिए पिछली कक्षा में कुल 50 फीसदी अंक आवश्यक रूप से होने चाहिए। शिक्षा निदेशालय ने दाखिला के लिए आयु सीमा का नियम लागू किया है। इसके तहत 10वीं में दाखिला के लिए 14 से 16 साल तक की उम्र होनी चाहिए, वहीं 12वीं में दाखिला के लिए 16 से 18 साल की उम्र होनी चाहिए। कोरोना के मद्देनजर शिक्षा निदेशालय ने आयु सीमा में छूट की भी घोषणा की है। इसके तहत सामान्य श्रेणी के छात्र छह महीने तक की छूट ले सकते हैं। जबकि, दिव्यांग श्रेणी के छात्रों को चार साल तक की छूट दाखिला में मिलेगी। इसके लिए छात्रों व अभिभावकों को स्कूल प्रमुख से मिलना होगा। दाखिला के दौरान छात्रों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए निदेशालय ने हेल्प डेस्क भी तैयार की है।

शिक्षा निदेशालय ने निजी समेत अन्य स्कूलों से सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए यह दाखिला प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत निदेशालय ने दाखिला के लिए मानदंड भी तैयार किए हैं। निदेशालय ने प्रत्येक संकाय के लिए अलग-अलग मानदंड बनाए हैं। निदेशालय के अनुसार गणित विषय के साथ विज्ञान संकाय में दाखिला के लिए कुल 55 फीसदी अंक होने चाहिए। साथ ही पिछली कक्षा में विज्ञान, गणित और अंग्रेजी में 50 फीसदी अंक होने चाहिए।

इसके तहत छात्र व अभिभावक, स्कूलों में बनाए हेल्पडेस्क से मदद ले सकते हैं। निदेशालय ने केंद्रीकृत हेल्पलाइन नंबर 1800116888, 10580 भी जारी किया है, जिसमें सुबह साढ़े सात बजे से शाम 7 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

एसी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, कारोबारी की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा के विवेक विहार में शनिवार देर रात एसी में शॉर्ट सर्किट होने से एक मकान की दूसरी मंजिल पर आग लग गई। इस हादसे में मकान की दूसरी मंजिल पर अकेले सो रहे कारोबारी 38 वर्षीय अवनीश यादव की दम घुटने से मौत हो गई। पहली मंजिल पर सो रहे अवनीश के माता-पिता घटना के तुरंत बाद नीचे उतर गए जबकि छत पर सो रहे बेटा, पत्नी और बुआ ने पड़ोसी की छत के रास्ते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। अवनीश परिवार के साथ विवेक विहार के ज्वाला नगर स्थित गौतम गली में रहते थे। परिवार में पिता श्रीपाल यादव, मां, पत्नी परिनिधि यादव, बेटा लक्षित है। इनका अपना दो मंजिला मकान है। भूतल पर अवनीश आटा-चक्की चलाते थे। पहली मंजिल पर अवनीश के माता-पिता रहते हैं, जबकि दूसरी मंजिल पर अवनीश परिवार के साथ रहते थे। शनिवार को अवनीश के पिता श्रीपाल का जन्मदिन था। भाई का जन्मदिन मनाने के लिए शाहदरा से अवनीश की बुआ भी आई थीं। जन्मदिन की पार्टी के बाद अवनीश के माता-पिता पहली मंजिल पर सो गए। गर्मी की वजह से अवनीश की बुआ छत पर सोने गईं तो अवनीश की पत्नी परिनिधि और बेटा लक्षित भी उनके साथ चले गए। अवनीश कमरे में अकेले सो रहे थे।

लूट के बाद कपड़े उतरवाने वाले तीन दोस्तों को दबोचा

नई दिल्ली। रघुबीर नगर इलाके में लूट के बाद पीड़ित के कपड़े उतारवाकर फरार हुए तीन दोस्तों ने पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आठ जुलाई की रात हुई इस वारदात की शिकायत पीड़ित ने ख्याला थाना पुलिस को दी थी। पुलिस ने लूट सहित कई धाराओं में केस दर्ज कर लखविन्द्र सिंह, दीपक और आकाश को गिरफ्तार किया है। तीनों राजौरी गार्डन के रहने वाले हैं। इनसे चोरी का मोबाइल, बेल्ट, 350 रुपये और स्कूटी बरामद हुई है। पीड़ित के साथ हुई वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस उपायुक्त उर्विजा गोयल ने बताया कि आठ जुलाई की देर रात चालक का काम करने वाला युवक घर लौट रहा था। इसी दौरान बी ब्लॉक रघुबीर नगर में स्कूटी सवार तीन बदमाशों ने उसे रोक लिया और नकदी, मोबाइल लूट लिया। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के कपड़े उतरवा दिए और उसकी ही बेल्ट से उसकी पिटाई कर फरार हो गए। पीड़ित ने रघुबीर नगर पुलिस चौकी में मामले की सूचना दी। इसके बाद ख्याला थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान वारदात वाली रात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

अपराध से अर्जित संपत्ति का पता नहीं चलने पर मकोका के आरोपी को जमानत

नई दिल्ली। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के आरोपी युवक को अदालत ने जमानत दे दी है। अदालत ने मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसके नाम पर चल-अचल संपत्ति की बरामदगी नहीं कर पाई। जांच अधिकारी ने माना कि आरोपी मनोज उर्फ मोर्खरी के नाम पर एक संपत्ति मिली, मगर इसके कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं कि यह अपराध के जरिए जुटाई गई है। रोहिणी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिवाजी आनंद की अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि मकोका के तहत दर्ज मामले में यह स्पष्ट करना होता है कि आरोपी अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति है और वह ज्यादा से ज्यादा धन कमाने के मकसद से गिरोह बनाकर बड़े अपराध को अंजाम दे रहा था। लेकिन, इस मामले के जांच अधिकारी से जब पूछा गया कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने उसके नाम पर कितनी चल व अचल संपत्ति व जेवरात जब्त की तो जांच अधिकारी ने कहा कि उन्हें एक ही अचल संपत्ति आरोपी के नाम पर मिली है। लेकिन, इसके कागजात के बारे में पूछे जाने पर जांच अधिकारी का कहना है कि उसने इस मामले के दूसरे आरोपियों के इकबालिया बयान के आधार पर इस संपत्ति की पुष्टि की है। अदालत ने कहा कि इकबालिया बयान कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है। यह आरोपी पहले ही कह चुका है कि उससे पुलिस ने खाली कागजों पर हस्ताक्षर कराए थे। उसने अपराध नहीं कबूला है। अदालत ने यह भी कहा कि हालांकि वह आरोपी को क्लीनचिट नहीं दे रही है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान तथ्य स्पष्ट होंगे। लेकिन, प्रथमदृष्टया तथ्यों को देखते हुए आरोपी को जमानत दी जा रही है। इस मामले में बचाव पक्ष की तरफ से अधिवक्ता प्रदीप राणा ने दलील पेश करते हुए कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा सात मुकदमे दिखाए गए हैं। इनमें से चार में वह बहुत पहले बरी हो चुका है। दो मुकदमे दिल्ली से बाहर के हैं। एक ही मामला दिल्ली का है। ऐसे में उनके मुवक्किल पर मकोका नहीं लगाया जा सकता। साथ ही बचाव पक्ष ने कहा कि उनके मुवक्किल की ऐसी कोई संपत्ति भी पुलिस नहीं दिखा पाई, जिसकी वजह से उसे गंभीर अपराधी बताकर पांच साल से जेल की सलाखों के पीछे रखा जाए। अदालत ने बचाव पक्ष की इस दलील को स्वीकार किया। अदालत ने तमाम तथ्यों को देखते हुए आरोपी मनोज उर्फ मोर्खरी को नियमित जमानत देने का निर्णय किया। अदालत ने आरोपी को एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतने ही रुपये मूल्य के दो जमानतियों के आधार पर जमानत दी है। अदालत ने निर्देश दिया है कि आरोपी अपना पासपोर्ट कोर्ट में जमा कराए और बगैर अदालत की अनुमति के वह दिल्ली छोड़कर न जाए। साथ ही अदालत ने आरोपी को कोरोना को लेकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए भी कहा है। अदालत ने आरोपी को कहा है कि वह अपनी लोकेशन पुलिस को बताएगा और गूगल मैप को अपने मोबाइल फोन में हमेशा चालू रखेगा।

पति से नाराज पत्नी ने मासूम बेटे का गला घोटा

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के डेरा गांव में एक महिला ने पति से मनमुटाव के चलते 11 माह के मासूम बच्चे की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद पति-पत्नी ने एक-दूसरे पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को फोन कर दिया। मौके पर पहुंची फतेहपुर बेरी थाना पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर छानबीन शुरू की और आरोपी महिला ज्योति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि नौ जुलाई की शाम 7:52 पर पीसीआर कॉल मिली कि सतबीर नाम के युवक ने अपने 11 महीने के बेटे की हत्या कर दी है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि सतबीर बेटे को अपने रिश्तेदारों के साथ छतरपुर के एपेक्स अस्पताल में ले गया है। वहां डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अभी घटनास्थल पर ही थी कि तभी दोबारा फोन आया कि हत्या बच्चे की मां ने की है। हत्या का मामला दर्ज कर एसएचओ कुलदीप सिंह के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की। पति-पत्नी एक दूसरे पर बच्चे की हत्या का आरोप लगा रहे थे। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड और गवाहों के बयान से पता चला कि बच्चे की मां ज्योति ने ही चुन्नी से गला घोटकर उसकी हत्या की थी। पूछताछ में ज्योति ने बताया कि उसका पति सतबीर के साथ मधुर संबंध नहीं है। वह 16 साल की थी तभी 2011 में उसकी शादी सतबीर से हो गई थी। सतबीर शादी के बाद से ही उसे पसंद नहीं करता था। दोनों में अक्सर झगड़ा होता रहता था। 9 जुलाई को दोपहर बाद 3:30 बजे भी सतबीर से झगड़ा हुआ था। ज्योति का कहना है कि उसका बच्चा बुखार से पीड़ित था लेकिन काफी कहने के बाद भी सतबीर उसे अस्पताल नहीं ले जा रहा था। इससे गुस्से में आकर ज्योति ने बेटे की गला घोटकर हत्या कर दी। पुलिस की पूछताछ में आरोपी महिला ने बताया कि बेटे की हत्या के बाद वह पति के साथ नहीं रहना चाहती थी। ऐसे में उसने बेटे की हत्या का आरोप उस पर लगा दिया, क्योंकि वारदात के समय वह भी घर पर ही मौजूद थ। दोनों के बीच वारदात से पहले झगड़ा भी हुआ था। ऐसे में उसे लगा कि पुलिस उसकी बात पर विश्वास कर लेगी और सतबीर को जेल भेज देगी।

सिंघु बॉर्डर पर करंट लगने से किसान की मौत, ट्रांसफार्मर के पास मिला शव

सोनीपत। राजधानी दिल्ली के सिंघु बॉर्डर के नजदीक पंजाब के एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। पिछले सात महीने से किसान सिंघु बॉर्डर पर केंद्र के तीन नए विवादास्पद कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। मृतक किसान आंदोलन में हिस्सा लेने के लिए पिछले महीने ही सिंघु बॉर्डर आए थे। मृतक किसान की पहचान सोहन सिंह (42) के रूप में हुई है। सोहन सिंह का शव रविवार को सिंघु बॉर्डर प्रदर्शन स्थल पर बिजली के एक ट्रांसफर्मर के नजदीक से मिला था। यह इलाका हरियाणा के सोनीपत जिले के कुंडली में आता है। कुंडली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रथमदृष्टया करंट लगने से सोहन सिंह मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता लग सकेगा। गौरतलब है कि केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान बड़ी संख्या में पिछले साल 26 नवंबर से दिल्ली-यूपी और हरियाणा की सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं। वे इन तीनों कानूनों को रद्द करने और फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने के लिए एक नया कानून लाने की मांग कर रहे हैं। इन विवादास्पद कानूनों पर बने गतिरोध को लेकर हुई किसानों और सरकार के बीच कई दौर की वार्ता बेनतीजा रही।

बस रखरखाव मामले में सीएम इस्तीफा दें-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बस खरीद मामले में बसों के रखरखाव को लेकर दिल्ली सरकार पर घोटाले का आरोप लगाया है। आदेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे, परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत को बर्खास्त करने और घोटाले की जांच भ्रष्टाचार निरोधी विभाग से कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी और सभी भाजपा विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन करते हुए गुप्ता ने कहा कि इस मामले में समाधान होने तक भाजपा का धरना और विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए घोटाले में शामिल परिवहन मंत्री और अधिकारियों का हटना जरूरी है। आदेश गुप्ता ने कहा कि इस मुद्दे पर उपराज्यपाल द्वारा गठित एक समिति ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि बस खरीद और बसों के रखरखाव के लिए हुए टेंडर में सामान्य वित्त नियमों के साथ-साथ सीवीसी के निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि बसों की खरीद के मूल्यों से लगभग तीन गुना ज्यादा का बसों के रखरखाव का टेंडर जारी किया गया है जो कि बसों की खरीद के साथ पहले ही दिन से मान्य होता है। जबकि, रखरखाव टेंडर बसों की गारंटी समय के बाद लागू होना चाहिए। गुप्ता ने आरोप लगाया कि गारंटी समय के पहले दिन से ही रखरखाव का वर्क ऑर्डर जारी करने से साफ है कि इसमें बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। आदेश गुप्ता ने कहा कि बस खरीद में दो ही कंपनियां आई, जिनसे क्रमशः 700 और 300 बसों की खरीद होनी थी। इसके साथ ही सरकार ने यह तय कर दिया कि बसों की रखरखाव के टेंडर में वे कंपनी शामिल हो सकती हैं जिनसे बस खरीद की जाएगी। इससे स्पष्ट है कि जो दो कंपनियां बस सप्लाई करेंगी, रखरखाव का काम भी उन्हें ही मिलेगा जो कि 3500 करोड़ रुपये का रहेगा। इस तरह सरकार ने बस खरीद और रखरखाव के नाम पर 5000 करोड़ का घोटाला कर लिया जिसे भाजपा लगातार जोर-शोर से उठा रही है। अब जांच समिति ने 3500 करोड़ के रखरखाव के टेंडर को रद्द कर, नए सिरे से टेंडर करने को कहा है जिससे स्पष्ट है कि घोटाला तो हुआ है। इसलिए इस मामले के दोषी परिवहन मंत्री और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए।

अदालत को बदनाम करने के लिए एनजीओ प्रमुख को अवमानना नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी. सुप्रीम कोर्ट ने एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के चेयरपर्सन को अवमानना का नोटिस जारी किया है। अदालत ने कहा कि कोर्ट को बदनाम करने के लिए क्यों न उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए और उन्हें सजा सुनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में एनजीओ सुराज इंडिया ट्रस्ट के चेयरपर्सन राजीव दहिया के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए थे। उनके खिलाफ बिना किसी सफलता के सालों तक 64 जनहित याचिकाएं दायर करने और शीर्ष न्यायालय के न्यायाधिकार का लगातार दुरुपयोग करने के लिए लगाए गए 25 लाख रुपये के जुर्माने की रकम जमा नहीं कराने के लिए वारंट जारी किए गए थे। न्यायमूर्ति एसके कौल की पीठ ने 9 जुलाई को दिए आदेश में कहा कि दहिया द्वारा दी गई तमाम तरह की दलीलें और लिखे गए पत्र अदालत को बदनाम करने के लिए थे। पीठ में न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता भी शामिल थे। पीठ ने कहा, रिकॉर्ड पर गौर करने के बाद हमें पता चला कि यह मामला इस अदालत के फैसले के अनुसार ट्रस्ट व दहिया से केवल राशि बरामद करने का है, लेकिन जो दलीलें दी गई, पत्र लिखे गए, वे केवल अदालत को बदनाम करने व अदालत को धनराशि बरामद करने के लिए कार्रवाई करने से रोकने के लिए थे। यह स्पष्ट रूप से अदालत को डराने-धमकाने का प्रयास है और अदालत इसे बर्दाश्त नहीं करेगी।

दिल्ली मेट्रो में कॉन्ट्रैक्ट पर होगी ट्रेन ऑपरेटर्स की भर्ती, येलो लाइन पर निजी एजेंसी की सेवा लेगी डीएमआरसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने येलो लाइन पर कई ट्रेन संचालकों को नियुक्त किया है जिनकी भर्ती अनुबंध के आधार पर एक निजी एजेंसी के जरिए की गई है। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली में समयपुर बादली को गुरुग्राम में हुड्डा सिटी सेंटर से जोड़ने वाली येलो लाइन दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की सबसे पुरानी और व्यस्त लाइन में से एक है। 49.31 किलोमीटर लंबी इस लाइन पर 37 स्टेशन आते हैं। सूत्रों ने बताया कि डीएमआरसी ने इस कॉरिडोर पर तीन साल की अवधि के लिए ट्रेनों के संचालन के प्रबंधन के लिए एक निजी एजेंसी की सेवाएं ली हैं। फुल टाइम ऑपरेटर्स की टीम के अलावा यह भर्तियां की गई हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रेन ऑपरेटर्स की भर्ती के लिए निजी एजेंसी की सेवाएं ली गई हैं, लेकिन यह ट्रेन संचालन का किसी भी तरीके से निजीकरण नहीं है। उन्होंने कहा कि डीएमआरसी में फुल टाइम ट्रेन ऑपरेटर्स काम करते रहेंगे और निजी कंपनी अनुबंध के आधार पर हमारे लिए ट्रेन ऑपरेटर्स की भर्ती करेगी। साथ ही इन ट्रेन ऑपरेटर्स को डीएमआरसी द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा और प्रमाण-पत्र दिया जाएगा और डीएमआरसी द्वारा इनकी देखरेख की जाएगी। एक सूत्र ने बताया कि 153 ट्रेन ऑपरेटर्स दिल्ली मेट्रो रेल एकेडमी, शास्त्री पार्क में ट्रेनिंग ले रहे हैं, जिसमें से ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद करीब 70 ट्रेन ऑपरेटर्स ने योग्यता जांच पास कर ली है। ये ट्रेन ऑपरेटर्स शास्त्री पार्क में डीएमआरसी के ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर (ओसीसी) की देखरेख में ट्रेन का संचालन करेंगे।वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि डीएमआरसी के नेटवर्क में करीब 1,200 ट्रेन ऑपरेटर्स काम कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य कॉरिडोर के लिए भी ऐसी योजनाएं हैं, इस पर सूत्रों ने कहा कि डीएमआरसी की चरणबद्ध तरीके से ऐसी ही प्रक्रिया के जरिए ट्रेन ऑपरेटर्स की सेवाएं लेने की योजना है। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चेन्नई मेट्रो में पहले से ही ऐसी व्यवस्था है। अधिकारियों ने कहा कि डीएमआरसी के अंतर्गत आने वाली 10 लाइनों पर 242 मेट्रो स्टेशन हैं, जबकि गुड़गांव में रैपिड मेट्रो सहित कुल 264 स्टेशन हैं। इसके अलावा, ग्रे लाइन (द्वारका-नजफगढ़) के विस्तार पर बनाया जा रहा ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन के 7 जुलाई को रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद इसके बहुत जल्द चालू होने की उम्मीद है।

मां की दूसरी शादी से नाराज युवक ने सौतेले पिता को चाकू मारा

नई दिल्ली। शाहदरा के सीमापुरी में एक युवक ने अपनी मां की दूसरी शादी से नाराज होकर शनिवार को सौतेले पिता को चाकू मार दिया। घायल 40 वर्षीय सहिदूल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल के बयान पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी 18 वर्षीय सोनू को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित सहिदूल परिवार के साथ नई सीमापुरी के ई-ब्लॉक में रहते हैं। वह कबाड़ी की दुकान चलाते हैं। सहिदूल के अनुसार, रबतीजा ने अपने पति जमशेद को तलाक दे दिया था। करीब चार साल पहले उन्होंने रबतीजा से शादी कर ली थी। रबतीजा का बेटा सोनू अपने पिता जमशेद के पास ही रहता है। सहिदूल के अनुसार, सोनू अपनी मां के साथ उनकी शादी होने से नाराज चल रहा है। शनिवार दोपहर सहिदूल नई सीमापुरी के ई-ब्लॉक में अबूल चौक पर अपने दोस्त अनबर से बात कर रहे थे। इसी दौरान सोनू आया और सहिदूल पर चाकू से हमला कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही रबतीजा मौके पर पहुंची और पुलिस को सूचना दी। घायल सहिदूल को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने केस दर्ज सोनू को गिरफ्तार कर लिया।

दयालपुर में विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर में शुक्रवार रात एक विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतका 25 वर्षीय शिबा ससुराल वालों ने उसके फंदा लगाकर आत्महत्या करने की बात कही है। वहीं, शिबा की मां आशिया ने दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस दहेज हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के साथ ही यमुना विहार के एसडीएम भी मामले की तफ्तीश कर रहे हैं। गामड़ी की रहने वाली शिबा की शादी 2017 में पुराना मुस्तफाबाद के रहने वाले जिसान से हुई थी। शिबा की मां आशिया का आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल वाले दहेज में कार की मांग कर रहे थे। दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर ससुराल वाले शिबा के साथ मारपीट करते थे। यहां तक कि शिबा का पति उसे जान से मारने की धमकी देता था। मायके वालों ने जिसान पर एक युवती से प्रेम संबंध का भी आरोप लगाया है। शिबा की मां के अनुसार, शुक्रवार सुबह उनकी बेटी ने फोन कर बताया था कि उसके ससुराल वालों ने उसके गहने छीन लिए हैं और उसे जान से मारना चाहते हैं। इसके बाद रात को जिसान ने फोन किया और बताया कि कि शिबा ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली है। आशिया के अनुसार, जब वे लोग जिसान के घर पहुंचे तो शिबा का शव बिस्तर पर पड़ा हुआ था। आशिया का कहना है कि उनकी बेटी खुदकुशी नहीं कर सकी। उसकी हत्या की गई है।

राघव चड्ढा बोले-हरियाणा के खिलाफ फिर सुप्रीम कोर्ट जाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने रविवार को कहा कि दिल्ली के हिस्से का पानी छोड़ने के लिए हरियाणा को निर्देश देने की मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का फैसला किया है। राघव चड्ढा ने रविवार को दावा किया कि हरियाणा दिल्ली के पानी के वैध हिस्से को रोक रहा है और पड़ोसी राज्य द्वारा यमुना में छोड़ा जा रहा पानी अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। चड्ढा ने ट्वीट किया, हम यमुना नदी में इस समय कम जल स्तर देख रहे हैं क्योंकि हरियाणा द्वारा दिल्ली के हिस्से का पानी रोक दिया गया है। @DelhiJalBoard ने माननीय सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा सरकार के खिलाफ दिल्ली के हिस्से की उचित आपूर्ति की मांग करने का फैसला किया है, जैसा कि 1995 में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले ही निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा द्वारा दिल्ली के पानी के हिस्से को कथित तौर पर रोके जाने की वजह से वजीराबाद तालाब के जलस्तर में गिरावट आई है और चंद्रावल, वजीराबाद, ओखला जल शोधन संयंत्रों के परिचालन क्षमता घटी है। वजीराबाद तालाब में घटे हुए जलस्तर की तस्वीरों को साझा करते हुए चड्ढा ने ट्वीट में कहा, हरियाणा द्वारा यमुना में छोड़ा जा रहा पानी अब तक के सबसे निचले स्तर पर है।

एक फुट की गिरावट से भी शहर पर काफी प्रभाव पड़ सकता है लेकिन इस समय तालाब का जलस्तर 674 फुट से नीचे गिरकर 667 फुट हो गया। हरियाणा सरकार दिल्ली के वैध हिस्से को रोक रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा से यमुना में शून्य क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एक दिन में 90 मिलियन गैलन (एमजीडी) की सामान्य क्षमता की जगह 55 मिलियन गैलन जल ही शोधित कर रहा है। दिल्ली जल बोर्ड, गर्मी के महीने में शहर की 1,150 एमजीडी जल आपूर्ति की मांग की जगह 945 एमजीडी जल की आपूर्ति ही कर पा रहा है। मौजूदा समय में दिल्ली को हरियाणा से 609 एमजीडी की जगह 479 एमजीडी जल ही मिल रहा है। इसके अलावा दिल्ली को 90 एमजीडी पानी भूजल से और 250 एमजीडी ऊपरी गंगा नहर से मिलता है। शनिवार को चड्ढा ने कहा था कि दिल्ली में जल संकट के लिए सिर्फ और सिर्फ हरियाणा सरकार जिम्मेदार है क्योंकि वह कानूनी रूप से तय मात्रा से 120 एमजीडी कम जल की आपूर्ति कर रही है।

मुठभेड़ के बाद बिजली विभाग के कर्मचारी बनकर डकैती डालने वाले आरोपी गिरफ्तार!

नई दिल्ली। उत्तम नगर इलाके में बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट करने वाले आरोपियों को रविवार को पुलिस ने मुठभेड के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और द्वारका जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ की टीम के बीच मुठभेड उत्तम नगर बस टर्मिनल से नजफगढ़ नाले की ओर जाने वाले न्यू डीडीए रोड पर रविवार सुबह 5 बजे हुई। मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलियां चली। इस दौरान एक बदमाश को घुटने में गोली लगी। गिरफ्तार बदमाशों में अंकुश व मुकुल शामिल है। बाद में पुलिस ने एक और बदमाश दीपांशु को पकड़ने में कामयाबी पाई। मौके से पुलिस ने एक मोटरसाइकिल, एक पिस्टल, एक चाकू बरामद किए हैं।

मोटरसाइकिल विकासपुरी इलाके से चुराई गई थी।

पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया कि उत्तम नगर डकैती के मामले में आरोपियों की पहचान के बाद स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर नवीन कुमार की टीम आरोपियों की तलाश कर रही थी। पुलिस टीम को आरोपियों के उत्तम नगर आने की सूचना मिली। जिसके बाद नजफगढ़ नाले की ओर जाने वाली न्यू डीडीए रोड पर ट्रैप लगाया। करीब 5 बजे मोटरसाइकिल सवार दोनों आरोपी अंकुश व मुकुल न्यू डीडीए रोड पहुंचे तो पुलिसकर्मियों ने इन्हें आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन पुलिस की बात को अनसुना कर ये उल्टा पुलिसकर्मियों पर ही गोली चलाने लगे। पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपनी ओर से गोलियां चलाई। जिसमें एक गोली अंकुश के घुटने में लगी। इसके बाद दोनों बदमाश इससे पहले कि भागते, पुलिसकर्मियों ने उन्हें दबोच लिया। उपायुक्त ने बताया कि बदमाश ने एक गोली कांस्टेबल राजकुमार पर चलाई लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहना होने के कारण वे बच गए।

सदर बाजार में हुई लूट से मिला सुराग!

डकैती के मामले की जांच के दौरान स्पेशल स्टाफ की टीम को पता चला कि सदर बाजार इलाके में इसी वर्ष जून महीने में लूट की वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया था। पुलिस को सदर बाजार लूट से जुड़े कुछ सीसीटीवी फुटेज मिले। जब फुटेज को खंगाला गया तो पता चला कि लूट की वारदात में बदमाशों ने उसी स्कूटी का इस्तेमाल किया था, जिसका इस्तेमाल उत्तम नगर में हुई वारदात में किया गया। इसके अलावा बदमाशों का हुलिया भी एक दूसरे से मिल रहा था तब पुलिस ने सदर बाजार इलाके में सक्रिय बदमाशों की तलाश शुरू की।

वहां से पुलिस को अंकुश गायब मिला। इसके बाद पुलिस ने अंकुश व इसके साथियों की तलाश शुरू कर दी, इस तरह एक एक करके कड़ियां जुड़ती गई और पुलिस टीम ने आरोपियों की पहचान कर ली।

पूर्व कर्मचारी भी था शामिल

पुलिस को आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि आरोपी दीपांशु पीड़ित कारोबारी के यहां पहले काम करता था। दीपांशु इन दिनों उत्तम नगर में रह रहा था, लेकिन यह एक साल पहले सदर बाजार में रहता था।दीपांशु ने अंकुश को बताया था कि कारोबारी लाकर में लाल रंग के बैग में नकदी रखता है। घटना वाले दिन जब लूटेरे आए तो उन्होंने लाकर में लाल रंग के बैग की तलाश शुरू की।दो लाकर तो कोड वर्ड की मदद से खोलने में वे कामयाब रहे, लेकिन तीसरे लाकर जिसमें लाल रंग का बैग था, वे नहीं खोल पाए। जिसके चलते वह पूरा पैसा नहीं ले जा सके थे।

PUBLIC NOTICE

MY CLIENT, KISHAN LAL S/O MURARI LAL R/O H.NO. D-3/119 BLOCK D-3 SULTAN PURI DELHI-110086, HAS SEVERED ALL RELATION AND DEBARRED HIS SON NAMELY VIPIN GUPTA FROM ALL MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND SEVERED ALL FAMILY RELATION DUE TO DISOBEDIENCE ACTIVITIES. IF SOME KEEP RELATION WITH HIM, MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR HIS ACT IN FUTURE.

GOPAL SHARMA
(GOPAL SHARMA)
ADVOCATE
CHAMBER NO. 1224,
ROHINI COURT, DELHI
MOB. : NO. 9818220574

राफेल सौदे पर चिदंबरम का मोदी सरकार पर वार

किसी अन्य देश में इसे विकासशील देश का अभिशाप कहकर नजरंदाज नहीं किया जाएगा, जहां अत्यंत बीमार मरीजों को लेकर आई एंबुलेंस अस्पतालों के बाहर कतारों में खड़ी हों। किसी अन्य देश में कोविड-19 के कारण हुई 4,05,967 मौतों (माना जाता है कि यह वास्तविक आंकड़े से चार से पांच गुना कम है) को लेकर उपजे भयानक दुख को प्रच्छन्न नहीं रखा जाएगा। किसी अन्य देश में गरीब परिवार के लाखों बच्चों के ऑनलाइन शिक्षा से वंचित होने पर उनके अभिभावक सत्ता के केंद्रों को हिलाए बिना नहीं रह सकेंगे। आप इस सूची में और चीजें जोड़ सकते हैं और भारतीय लोगों के सांफ्वा पर अचंभित हो सकते हैं। अंततः श्रम एवं रोजगार मंत्री ने इस्तीफा दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस्तीफा दिया। शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया।

पी चिदंबरम

सांफ्वा (Sangfroid) एक फ्रेंच शब्द है, जिसका अर्थ होता है कठिन परिस्थितियों में भी शांत बने रहने की क्षमता। भारतीयों ने इस मामले में फ्रांसीसी लोगों को पीछे छोड़ दिया है। किसी अन्य देश में ऐसी उदासीनता दिखाई नहीं देगी, जहां लाखों लोग सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित गांवों और कस्बों में अपने घरों की ओर, बिना पैसे या भोजन या दवाओं या मदद के पैदल लौटने को मजबूर हों। किसी अन्य देश में इसे विकासशील देश का अभिशाप कहकर नजरंदाज नहीं किया जाएगा, जहां अत्यंत बीमार मरीजों को लेकर आई एंबुलेंस अस्पतालों के बाहर कतारों में खड़ी हों। किसी अन्य देश में कोविड-19 के कारण हुई 4,05,967 मौतों (माना जाता है कि यह वास्तविक आंकड़े से चार से पांच गुना कम है) को लेकर उपजे भयानक दुख को प्रच्छन्न नहीं रखा जाएगा। किसी अन्य देश में गरीब परिवार के लाखों बच्चों के ऑनलाइन शिक्षा से वंचित होने पर उनके अभिभावक सत्ता के केंद्रों को हिलाए बिना नहीं रह सकेंगे। आप इस सूची में और चीजें जोड़ सकते हैं और भारतीय लोगों के सांफ्वा पर अचंभित हो सकते हैं। अंततः श्रम एवं रोजगार मंत्री ने इस्तीफा दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस्तीफा दिया। शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया। किसी अन्य देश में ऐसी उदासीनता दिखाई नहीं देगी, जहां लाखों लोग सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित गांवों और कस्बों में अपने घरों की ओर, बिना पैसे या भोजन या दवाओं या मदद के पैदल लौटने को मजबूर हों। किसी अन्य देश में इसे विकासशील देश का अभिशाप कहकर नजरंदाज नहीं किया जाएगा, जहां अत्यंत बीमार मरीजों को लेकर आई एंबुलेंस अस्पतालों के बाहर कतारों में खड़ी हों। किसी अन्य देश में कोविड-19 के कारण हुई 4,05,967 मौतों (माना जाता है कि यह वास्तविक आंकड़े से चार से पांच गुना कम है) को लेकर उपजे भयानक दुख को प्रच्छन्न नहीं रखा जाएगा। किसी अन्य देश में गरीब परिवार के लाखों बच्चों के ऑनलाइन शिक्षा से वंचित होने पर उनके अभिभावक सत्ता के केंद्रों को हिलाए बिना नहीं रह सकेंगे। आप इस सूची में और चीजें जोड़ सकते हैं और भारतीय लोगों के सांफ्वा पर अचंभित हो सकते हैं। अंततः श्रम एवं रोजगार मंत्री ने इस्तीफा दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने इस्तीफा दिया। शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया।

विमान सौदे से संबंधित अप्रैल, 2021 में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट का फॉलोअप प्रकाशित किया, तब भारत की तपती, शुष्क और हवा रहित राजधानी में एक पत्ता भी नहीं हिला। मुझे संदेह है कि इससे रक्षा मंत्रालय में शायद ही किसी व्यक्ति की भवें तनी होंगी। रक्षा मंत्री जो कि विनम्र व्यक्ति हैं, उन्होंने तक कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। पूर्व रक्षा मंत्री ने इस तथ्य के बावजूद इसे नजरंदाज करना पसंद किया कि यह रिपोर्ट पहले के कई मंत्रीस्तरीय बयानों का खंडन करती है। यही सांफ्वा है। अप्रैल में तीन खंडों की जांच में मीडियापार्ट ने खुलासा किया था कि फ्रांस एंटी करप्शन एजेंसी (एफए) को यह सबूत मिले कि दसॉल्ट (फ्रेंच निर्माता कंपनी) उस ज्ञात मध्यस्थ को दस लाख यूरो देने को राजी हो गई थी, जिसकी एक अन्य रक्षा सौदे के सिलसिले में भारत में जांच चल रही है, और वास्तव में उसने डेफसिस सॉल्यूशन (यह कितना उपयुक्त नाम है!) नामक भारतीय कंपनी को 5,98,925 यूरो का भुगतान किया। शुरुआती अवस्था में भी यह उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कोई आरोप हो सकता है। (read:The Ghost of Rafale Appears, Indian E&press. April 11, 2021)। भारत में इसका हश्र सांफ्वा जैसा हुआ, लेकिन फ्रांस में नहीं। 2012 में एक सार्वजनिक टेंडर के जरिये भारतीय वायुसेना को 126 राफेल विमानों की आपूर्ति के लिए दसॉल्ट को चुना गया। इसके तहत उसे उड़ान भरने के लिए तैयार 18 विमानों की आपूर्ति करनी थी और

108 विमानों की भारत में असेंबलिंग होनी थी। मार्च, 2015 में दसॉल्ट एविएशन के सीईओ ने भारतीय वायुसेना प्रमुख और एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) के अध्यक्ष की मौजूदगी में एलान किया कि दसॉल्ट और एचएएल के बीच भारत में विमानों के निर्माण तथा एचएएल को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के संबंध में करार पर जल्द हस्ताक्षर किए जाएंगे। 26 मार्च, (हां अगले दिन ही!) दसॉल्ट ने एक निजी भारतीय कंपनी के साथ एक संभावित संयुक्त उपक्रम के मद्देनजर परियोजना प्रबंधन, शोध एवं विकास, डिजाइन और इंजीनियरिंग, असेंबली और निर्माण, रख-रखाव और प्रशिक्षण के संबंध में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। आठ अप्रैल, को पेरिस में प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा में साथ गए वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि दसॉल्ट समझौता पटरी पर है और जल्द ही इसे अंजाम दिया जाएगा। 10 अप्रैल को, पेरिस में, प्रधानमंत्री मोदी ने एलान किया कि दसॉल्ट-एचएएल सौदा रद्द कर दिया जाएगा और फ्रांस में निर्मित 36 विमान भारतीय वायुसेना द्वारा खरीदे जाएंगे। नौ नवंबर, को दसॉल्ट और एक निजी भारतीय कंपनी के बीच रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर हुए। दसॉल्ट के दायित्वों में निर्माण, प्रौद्योगिकी, जानकारी, एयरफ्रेम सब-असेंबली का निर्माण, अंतिम असेंबली लाइन, आयुध उन्नयन, अंतरराष्ट्रीय विपणन और तकनीकी सहायता शामिल होगी। निजी भारतीय कंपनी भारत सरकार और राज्यों के पास उपलब्ध बाजार, उत्पादन सुविधाओं और विपणन के बारे में जानकारी देगी। सितंबर, 2016 को 36 राफेल विमानों की खरीद के लिए अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। 28 नवंबर को दसॉल्ट एवं निजी भारतीय कंपनी के साथ एक शेयर होल्डर समझौते पर हस्ताक्षर किए। दसॉल्ट ने 15.9 करोड़ यूरो (और 51 प्रतिशत इक्विटी) और निजी भारतीय कंपनी को एक करोड़ यूरो (और 49 प्रतिशत इक्विटी रखने) तक प्रदान करने का वचन दिया। इन तथ्यों के आधार पर फ्रांस की अभियोजन सेवा पीएनएफ ने एक नई जांच शुरू की है और न्यायिक जांच का नेतृत्व करने के लिए एक जज की नियुक्ति की है। जब यह विवाद उभर रहा था, तब भारत के चार संस्थानों ने, जिन्हें हम वाचडॉग्स कहते हैं, देश को मायूस किया - मीडिया, सुप्रीम कोर्ट, संसद और नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक (कैग)। मुझे यकीन है, और दुख भी कि संसद सुरक्षात्मक और उपेक्षापूर्ण बनी रहेगी। मुझे इस बात का भी यकीन है कि कैग अपने दरवाजे नहीं खोलेगा और 141 पेज की उस रिपोर्ट के पन्ने दोबारा नहीं पलटेगा, जिसके 126 पेज सामान्य समझ रखने वाले किसी व्यक्ति के किसी काम के नहीं हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के कक्षों में ताजा हवा बहनी शुरू हो गई है। न्यायालय से अभी अंतर-सरकारी समझौते और न्यायमूर्ति गोगोई द्वारा लिखित 14 दिसंबर, 2018 के फैसले की समीक्षा का आग्रह किया जा सकता है। मुझे मीडिया पर भी भरोसा है। कई लोगों द्वारा आत्मसमर्पण किए जाने और दूसरों के दमन के बावजूद, मीडिया में कलम और आवाजें हैं, जो खुद को पढ़े जाने और सुने जाने के लिए प्रस्तुत कर सकती हैं। जहां तक लोगों की बात है, तो क्या वे सांफ्वा बने रहेंगे? मूल फ्रेंच में इस शब्द का एक और अर्थ है, निर्मम।

डबल डिजिट में ग्रोथ करेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, डिसइन्वेस्टमेंट को लेकर नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कही यह बात

नई दिल्ली. नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि भारत की वृद्धि की कहानी काफी मजबूत है और विनिवेश का माहौल बेहतर हुआ है। कुमार ने इस बात पर भी जोर दिया कि देश कोविड-19 की किसी संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए अधिक बेहतर तरीके से तैयार है। साथ ही राज्यों ने भी पिछली दो लहरों के दौरान महामारी से निपटने के सबक सीखे हैं। कुमार ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, उम्मीद है कि अब हम महामारी को पीछे छोड़ रहे हैं। चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में प्रवेश के साथ ही आर्थिक गतिविधियां बेहतर होंगी। विभिन्न उदाहरण मसलन आवागमन आदि में तेजी इसी का संकेत दे रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस महामारी का प्रतिकूल असर पड़ा है और दूसरी लहर की वजह से अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार प्रभावित हुआ है। इसी परिप्रेक्ष्य में नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने भरोसा जताया कि अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार काफी मजबूत है और जिन एजेंसियों या संगठनों ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान को घटा दिया था, उन्हें संभवत- इसे संशोधित कर अब बढ़ाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि 2021-22 में भारतीय अर्थव्यवस्था दो अंकीय (दस प्रतिशत या उससे अधिक की) वृद्धि दर्ज करेगी। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। रेटिंग एजेंसियों में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को 11 से घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है। फिच रेटिंग्स ने भी वृद्धि दर के अनुमान को 12.8 से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसियों ने कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच पुनरुद्धार की रफ्तार सुस्त पड़ने की वजह से अपने वृद्धि दर के अनुमान को कम किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह पूछे जाने पर कि क्या निजी निवेश रफ्तार पकड़ेगा, कुमार ने कहा कि इस्पात, सीमेंट और रियल एस्टेट जैसे कुछ क्षेत्रों में क्षमता विस्तार पहले ही उल्लेखनीय निवेश देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि टिकाऊ उपभोक्ता सामान क्षेत्र में संभवत- अधिक समय लगेगा, क्योंकि महामारी को लेकर अनिश्चितता की वजह से अभी ग्राहक असमंजस में हैं। संभावित तीसरी लहर के बारे में पूछे जाने पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा, सरकार किसी संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए अधिक बेहतर स्थिति में है। मेरा मानना है कि तीसरी लहर का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव दूसरी लहर या पहली लहर की शुरुआत की तुलना में सीमित रहेगा। कुमार ने कहा कि सरकार की तैयारियां काफी उल्लेखनीय हैं और साथ ही राज्यों ने भी महामारी से निपटने का अपना सबक सीखा है। सरकार ने हाल में 23,123 करोड़ रुपये के अतिरिक्त वित्तपोषण की घोषणा की है। इसके जरिये सरकार मुख्य रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र के ढांचे को मजबूत करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार चालू वित्त वर्ष के विनिवेश के लक्ष्य को हासिल कर पाएगी, कुमार ने कहा कि दूसरी लहर के बावजूद बाजार काफी मजबूत हैं। इस समय वह नई ऊंचाई पर है। कुमार ने कहा, मुझे लगता है कि यह धारणा सिर्फ जारी ही नहीं रहेगी, बल्कि आगे चलकर यह और मजबूत होगी। भारत की कहानी काफी मजबूत है। विशेषरूप से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मामले है। एफडीआई ने 2020-21 और 2021-22 की अप्रैल-जून की अवधि में नये रिकॉर्ड बनाये हैं।

जलवायु की चिंता

चरम मौसम की घटनाओं की तीव्रता स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने चुनौती पेश कर रही है. खासकर, दक्षिण एशिया, मध्य-अमेरिका, कैरिबियाई और प्रशांत क्षेत्र के विकासशील छोटे द्वीपों के सामने जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का खतरा अधिक मंडरा रहा है. हालांकि, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ साझा प्रयास, वित्त, महत्वाकांक्षा, समर्थन की पारदर्शिता जैसे मसलों पर समृद्ध देशों का रुख सहयोगात्मक नहीं रहा है. वायुमंडल में अधिक कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार होने के बावजूद ये देश अपने दायित्वों को अस्वीकार करते हैं, कुछ तो मानवजनित जलवायु परिवर्तन से भी इनकार करते हैं. तथ्य यह है कि हम गैर-बराबरी और अन्यायपूर्ण दुनिया में रहते हैं. जलवायु परिवर्तन युवाओं के स्वास्थ्य और सामाजिक-आर्थिक स्थायित्व के लिए बड़ा खतरा है, खासकर विकासशील देशों में, जहां युवाओं की बड़ी आबादी रहती है. जलवायु परिवर्तन अफ्रीका, एशिया, लातिन अमेरिका में खाद्य सुरक्षा के सभी पहलुओं को प्रभावित करेगा, जहां युवा आबादी एक अरब से अधिक है. उपभोक्ता व्यवहार और जलवायु परिवर्तन के प्रति दृष्टिकोण को मापने वाले एक सर्वे में मात्र 48 प्रतिशत भारतीय जलवायु

परिवर्तन को गंभीर पर्यावरणीय समस्या मानते हैं. मिंटेल सस्टेनबिलिटी बैरोमीटर- 2021 सर्वे में 16 देशों- ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, आयरलैंड, इटली, जापान, पोलैंड, स्पेन, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका को शामिल किया गया.

दक्षिण कोरिया के 70 प्रतिशत लोग जलवायु परिवर्तन को गंभीर मुद्दा मानते हैं. वनों की कटाई, जैव विविधता या पर्यावरण ह्रास और हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल को लोग मुख्य समस्या के तौर पर देखते हैं. हालांकि, दुनिया के अनेक हिस्सों में जलवायु सक्रियता जागरूकता बढ़ा रही है और जीवाश्म ईंधनों के प्रति लोग जागरूक हो रहे हैं.

नागरिक समाज समूहों, गैर-सरकारी संस्थाओं, अकादमिक स्तर पर विचारों और क्रियान्वयन के प्रति सक्रिय बहस है. लेकिन, वैकल्पिक विचारों को नीतिगत प्रक्रियाओं के साथ कैसे जोड़ा जाये, यह स्पष्ट नहीं है. मौजूदा दौर में इसकी प्रासंगिकता बढ़ी है. दशकों से पारिस्थितिकी तंत्र, वन, जल निकाय और जैव विविधता को नुकसान पहुंचाया गया है.

इस वैश्विक समस्या के स्थानीय तौर पर समाधान की दिशा में हमें काम करने की आवश्यकता है. कई अध्ययनों में चरम घटनाओं के कारण बड़े स्तर पर आर्थिक और पारिस्थितिकीय नुकसान का जिक्र होता रहता है. मौसम की चरम घटनाओं, विशेषकर बढ़ते तापमान का खतरा भारत पर अधिक है. जलवायु संकट से यह स्थिति असहनीय बन सकती है. मौसम की चरम घटनाओं के कारण होनेवाली कुल मौतों में 12 प्रतिशत से अधिक गर्मी के कारण होती हैं. जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर गंभीरता का असर, भारत के विकास के रूप में भी दिखेगा. ऐसे में जरूरी है कि विकास की सभी योजनाओं में जलवायु के प्रति सकारात्मक सोच को अभिन्न अंग के तौर पर शामिल किया जाये.

इन शेयरों में निवेश करने वाले लोग हुए मालामाल, पिछले 6 महीनों में 266-1062% तक मिला रिटर्न

नई दिल्ली. कोरोना के कारण पिछले डेढ़ साल से बाजार में अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। ऐसे में निवेशक बहुत ही सोच-समझ कर ही शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। पिछले 6 महीने के दौरान देखा गया है कि ज्यादा रिस्क वाले शेयरों ने सबसे बेहतर रिटर्न दिया है। इनमें से अधिकतर शेयरों की कीमत 10 रुपये से भी कम है। मिंट ने अपने एनालिसिस में पाया कि ऐसे 50 रिस्की शेयरों ने 66% तक का रिटर्न दिया है। मिंट की रिपोर्ट के अनुसार 266-1062% की तेज के साथ 33 स्टॉक ने पिछले 6 महीनों के दौरान 10 गुना अधिक मुनाफा दिया है। (शेयर मार्केट की भाषा में ऐसे शेयरों को मल्टी-बैगर) बोला जाता है।) यह आंकड़े खुदरा निवेशकों के बढ़त लाभ को भी दर्शाते हैं। इनकी तुलना में सेंसेक्स और निफ्टी ने 10% और 13% की मामूली बढ़त हासिल की। हालांकि ऐसे शेयरों में इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर निवेश से बचते हैं। पिछले 6 महीनों के दौरान के बीएसई के मिडकैप इंडेक्स में 25.7% और स्मॉल कैप में 38.7% का इजाफा देखने को मिला। जबकि पिछले साल इस दौरान हमें निगेटिव ग्रोथ देखने को मिली थी। इस दौरान टॉप टेन रिटर्न देने वाली लिस्टेड कंपनियों में 10 में 9 पेनी स्टॉक यानी खतरे वाले निवेश थे। इनमें से गीता रेन्यूबल एनर्जी लिमिटेड 1,062%, चित्रादुर्गा स्पिनटेक्स लिमिटेड 888%, संगम रेन्यूबल ने 778% और Nyssa Corp LTD ने 742% तक का रिटर्न दिया। ये ऐसे शेयर हैं जिसमें रिस्क सबसे अधिक होता है। एचडीएफसी के रिटेल रिसर्च हेड दीपक जसानी बताते हैं, हेरफेर और सट्टा बाजार इन शेयरों के बढ़ने के प्रमुख कारणों में से एक हैं। इसके अलावा ये निवेश कम निवेश के साथ अच्छा रिटर्न देते हैं जिसकी वजह से खुदरा निवेशकों को यह बहुत पसंद आते हैं। पिछले कुछ महीनों मिड कैप और स्मॉल कैप के शेयरों में तेजी उत्साह बनाया है। इस बीच जून तक निफ्टी के आधा दर्जनों शेयरों में गिरावट आई। जिसमें महिन्द्रा बैंक का शेयर 14%, हीरो मोटोकॉर्प 7त, मारुति सुजुकी, आईटी, हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस, नेस्ले इंडिया के शेयरों 4-2त तक की गिरावट देखी गई।

सुल्तानपुरी में 40 वर्षो पुरानी झुग्गी-झोपड़ीयों पर चला दिल्ली सरकार का पीला-पंजा जनता में रोष

अरविन्द केजरीवाल मुख्यमंत्री-दिल्ली, जहां-झुग्गी वहां मकान का वादा झूठा निकला-विजय कुमार भारती, महासचिव, केडीसीसी

(इन्द्रजीत सिंह)

नई दिल्ली । सुलतानपुर माजरा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत वार्ड-45 व 47 में 40 वर्षो पुरानी झुग्गी-झोपड़ीयों और दुकानों के टीन सेडो पर चला दिल्ली सरकार का पीला-पंजा एसडीएम रोहिणी मीना त्यागी की ताबड़ तोड़ डेमोलेशन की कार्यवाही होने से जनता में रोष। क्षेत्रीय विधायक मुकेश अहलावत ने दिल्ली विधानसभा में झुग्गी-झोपड़ी और अतिक्रमण के खिलाफ पुरजोर कार्यवाही के लिए सदन में अपनी बात रखी थी और उसी मध्य नजर दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग की एसडीएम मीना त्यागी और तेहस. ीलदार ने वीरवार और शुक्रवार, दिनांक 8 और 9 जुलाई, 2021 एसडीएम ने पीले पंजे जेसीबी के साथ सुल्तानपुरी की सड़को पर भारी लाओ लसकर के साथ आ धमकी आओ देखा ना ताओ झुग्गीयों पर जेसीबी चलवाती गई, यहा तक की सार्वजनिक उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शौचालय पर भी जेस. ीबी चढ़ा दी गई और मिट्टी के ढेर में शौचालय को बदल दिया गया। एक ओर दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से चुनावी रेलीयों में बड़े-बड़े वायदे किये कि झुग्गी-झोपड़ीयों में रहने वालो को जहां झुग्गी वहां मकान दिया जाएगा जिसके लिए पूर्व की कांग्रेस सरकार के द्वारा सुल्तानपुरी में कई हजार फ्लैट भी तैयार पड़ है। परन्तु सात वर्षो में आम आदमी पार्टी की सरकार में एक भी फ्लैट झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालो को अवंटित नहीं किया गया और सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार किसी भी झुग्गी-झोपड़ीयों की छत नही तोड़ी जाए, जब-तक की बसाया ना जाए। परन्तु दिल्ली सरकार के एसडीएम द्वारा कोर्ट के आदेशो का उल्लंघन कर सरेआम डेमोलेशन की कार्यवाही की गई। डेमोलेशन की कार्यावाही उत्तरी-पश्चिमी जिला, राजस्व विभाग कंझावला के अंतर्गत एसडीएम रोहिणी, उत्तरी दिल्ली नगर निगम और लोक निर्माण विभाग, बिजली विभाग की संयुक्त टीम ने झुग्गी-झोपड़ी वालो के आशीयाने उजाड़ रही है, तपती धूप में। डेमोलेशन की कार्यावाही सुल्तानपुरी के ए-1, ए-2, ए-4, बी-2, 3, 4 और डॉ. अम्बेडकर पार्क व थाने वाले रोड़ पर कार्यवाही की गई। जिससे पूरी सुल्तानपुरी में देहशत का महोल बन गया और सड़को पर आ गए जिसमें पूर्व विधायक जयकिशन, जिला महासचिव, केडीसीसी विजय कुमार और क्षेत्रीय भाजपा निगम पार्षद सोहन पाल फौजी ने भी झुग्गी-झोपड़ी तोडे जाने का विरोध किया और दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी की विजय भारती ने आरोप लगाया है कि दिल्ली का मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल सबसे बड़ा महा झूठा है उन्होने कहां की मुख्यमंत्री ने चुनावी रेलीयों में बड़े-बड़े वायदे किये थे की जहां झुग्गी वहा पक्के मकान दिए जाएंगे। लेकिन सुल्तानपुरी में 40 वर्षो पुरानी झुग्गीयों पर जेसीबी चलवाकर आज गरीब जनता को रोड़ पर ला दिया गया है।

मुख्य अभियंता ओ.पी.श्रीवास्तव और संजय सक्सेना के संरक्षण में

सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग का सतर्कता विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

कार्यपालक, सहायक व कनिष्ठ अभियंता बने "अडानी"

सी.डी-3 व 11 के अधिशासी अभियंता अशोक कुमार, सतर्कता विभाग का अतिरिक्त चार्ज ने किए करोड़ो के घोटाले....

विकास एवं निर्माण कार्यों में घोटाला कर लगाई जा रही है, घटिया निर्माण सामग्री, पुराने टेण्डर का ही पुनः टेण्डर कर लगाऐं सरकार के खजाने को करोड़ो का चूना।

विकास एवं निर्माण कार्यों के टेण्डरों में किए गए घोटाले की लिस्ट इस प्रकार है:-

निहाल विहार, निलोठी के बड़े नाले की बॉउन्ड्रीवाल के निर्माण कार्य

निलोठी एक्सटेंशन, चन्दर विहार के बड़े नाले पर नये पुल के निर्माण कार्य

5/44, वेस्ट फ्रेंडस एन्कलेव नियर 80 गज, जी-318 शनि बाजार रोड़, सुल्तानपुरी के निर्माण कार्य

रनहौला शमशान घाट से लेकर बापरोला विहार तक नाले के पुस्ता रोड़ का टेण्डर को तीन साल बीत गए परन्तु तारकोल वाली सड़क का निर्माण आज-तक नही हुआ लेकिन पुनः सड़क व फुटपाथ का नया टेण्डर कर बनाया जा रहा है

बापरोला विहार नियर 47 एम.जी.डी, एन.जी.एल-14, मुंगेशपुर, नंगली डेयरी, पैकेज-02, निलोठी, नांगलोई, नई दिल्ली-41 में पार्क की बॉउन्ड्रीवाल और फुटपाथ के निर्माण कार्य

विकास एवं निर्माण की काली कमाई से मुख्य अभियंता ओ.पी.श्रीवास्तव, कार्यपालक अभियंता अशोक कुमार, सहायक व जूनियर अभियंता बने 'अडानी' करोड़ो रूपये की बेनामी सम्पत्ति खरीदी अपने व अपने रिश्तेदारों के नाम महंगी-महंगी लग्जरी कारों से चलते है, स्वयं व इनके परिवार

एप्पल का मोबाईल व लेपटॉप और पी.पी.डिजाईनर के कपड़े, रोलेक्स की घड़ी, बूची के जूते, लग्जरी कारो स्वंय व परिवार के लिए प्राईवेट ड्राइवर 20-20 हजार प्रतिमाह, शाम का डिनर बड़े रेस्टुरेंट, होटल और क्लबों और लाखों की ज्वैलरी और अडानी की तरह आलीशान जिन्दगी जी रहे है।

अध्यक्षः अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा

विज्ञापन-जनहित में जारी.....

1900 से 2016 के बीच भारत ने जीते हैं 28 ओलंपिक मेडल, जानें पूरा इतिहास

नई दिल्ली. टोक्यो ओलंपिक के आगाज में अब कुछ ही दिन बचे हैं। 23 जुलाई से ओलंपिक खेल 2020 खेले जाने हैं, यह खेल पिछले साल ही होने थे, लेकिन कोविड-19 महामारी के चलते इनको स्थगित करना पड़ा था। भारत ने ओलंपिक खेलों में अभी तक कुल 9 गोल्ड, 7 सिल्वर और 12 ब्रोन्ज मेडल जीते हैं। पहले ओलंपिक खेल 1896 में ग्रीस के एथेंस में खेले गए थे। भारत ने पहली बार ओलंपिक खेलों में 1900 में हिस्सा लिया था। चलिए एक नजर डालते हैं भारत ने कब-कब ओलंपिक खेलों में मेडल जीते हैं भारत ने 1900 में पहली बार ओलंपिक में भाग लिया। उस साल भारत ने सिर्फ एक एथलीट भेजा। उनका नाम था नॉर्मन प्रिचर्ड। उन्होंने देश के लिए पुरुषों की 200 मीटर की रेस और 200 मीटर हर्डल इवेंट में मेडल जीते थे। उसके बाद से भारत हर ओलंपिक में हिस्सा लेता है। 1920 में भारत ने पहली बार ओलंपिक खेलों में अपनी टीम भेजी थी, जिसमें 6 एथलीट और 2 रेसलर थे। 1928 तक भारत को अपने अगले मेडल का इंतजार करना पड़ा था। 1928 के एम्सटर्डम ओलंपिक में भारत को हॉकी में अपना पहला गोल्ड मेडल मिला। भारत ने ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, स्विट्जरलैंड को और फाइनल में नीदरलैंड को हराया। 1932 में भारत ने अमेरिका को 24-1 के रिकॉर्ड अंतर से हराया, जो आज भी कायम है। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में जर्मनी को 8-1 से हराया। उस समय भारत ब्रिटिश इंडिया के तरफ से खेलता था। विश्व युद्ध के कारण अगला ओलंपिक 1948 में लंदन में खेला गया। यहां भी भारत ने हॉकी में गोल्ड मेडल जीता। स्वतंत्र भारत में भारत का ये पहला ओलंपिक मेडल था। 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में भारत को पहला इंडीविजुअल मेडल तब मिला जब, खाशबा दादा साहेब जाधव ने कुश्ती में ब्रोन्ज मेडल जीता। 1952 में भी भारत ने हॉकी में गोल्ड जीता था। 1956 के मेलबर्न ओलंपिक में एक बार फिर भारत ने हॉकी में गोल्ड मेडल जीता। 1960 के रोम ओलंपिक में भारत पहली बार गोल्ड से चूका, टीम को सिल्वर से संतोष करना पड़ा। 1964 के टोक्यो ओलंपिक में एक बार फिर भारत ने हॉकी में गोल्ड मेडल जीता। 1968 के मेक्सिको सिटी ओलंपिक में भारत की हॉकी टीम ने ब्रोन्ज मेडल जीता। 1972 के

म्यूनिख ओलंपिक में एक बार फिर हॉकी टीम को ब्रोन्ज मेडल मिला। 1980 के मॉस्को ओलंपिक में भारत को फील्ड हॉकी में गोल्ड मेडल मिला। यह भारत का हॉकी में आखिरी मेडल है। 1980 के बाद 1996 के अटलांटा ओलंपिक में लिएंडर पेस ने टेनिस में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जो भारत का ओलंपिक में टेनिस में मिला अब तक का इकलौता मेडल है। 2000 के सिडनी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने भारोत्तोलन में 69 किलो वीमेंस कैटेगरी में ब्रोन्ज मेडल जीता। उन्होंने 240 किलो का वजन उठाया। कर्णम देश के लिए ओलंपिक में मेडल जीतने वाली पहली महिला हैं। 2004 के एथेंस ओलंपिक में भारत के शूटर राज्यवर्धन सिंह राठौर ने मेंस डबल ट्रैप में शूटिंग में सिल्वर मेडल जीता। यह शूटिंग में भारत का पहला ओलंपिक मेडल था। साल 2008 के बीजिंग ओलंपिक में भारत ने पहली बार इंडीविजुअल गोल्ड मेडल जीता। भारत के शूटर अभिनव बिंद्रा ने मेंस 10 मीटर एयर राइफल केटेगरी में 700ज्ड अंक हासिल किया और गोल्ड जीता। उसी साल सुशील कुमार ने कुश्ती में भारत का 56 साल का सूखा खत्म करते हुए ब्रोन्ज मेडल जीता। सुशील ने मेंस फ्रीस्टाइल कैटेगरी में ये मेडल जीता। इसके बाद मुक्केबाज विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। साल 2012 का लंदन ओलंपिक भारत के लिए सबसे सफल रहा है। उस साल भारत ने 6 ओलंपिक मेडल जीते। इस साल विजय कुमार ने मेंस 25 रैपिड फायर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीते और गगन नारंग मेंस 10 मीटर एयर राइफल में ब्रोन्ज मेडल जीता। सुशील कुमार ने मेंस फ्रीस्टाइल 66 किलो वर्ग में सिल्वर मेडल जीता और योगेश्वर दत्त ने मेंस फ्रीस्टाइल 60 किलो वर्ग में ब्रोन्ज मेडल जीता। सायना नेहवाल ने बैडमिंटन के वीमेंस सिंगल्स में ब्रोन्ज मेडल जीता और मैरीकॉम ने वीमेंस फ्लाइवेट में ब्रोन्ज मेडल जीता। 2016 के रियो ओलंपिक में भारत महज 2 मेडल जीतने में कामयाब रहा। वीमेंस फ्रीस्टाइल 58 किलो वर्ग में साक्षी मालिक ने ब्रोन्ज मेडल जीता। साक्षी भारत के लिए कुश्ती में पदक लाने वाली पहली महिला हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन के वीमेंस सिंगल्स में सिल्वर मेडल जीता। सिंधु फाइनल मैच हार गईं थी।

यूरो कप फाइनल में हारने के बाद इंग्लैंड के अश्वेत फुटबॉलरों के साथ नस्ली टिप्पणी पर भड़के केविन पीटरसन और माइकल वॉन

● माइकल वॉन यूरो कप

नई दिल्ली. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन और माइकल वॉन यूरो कप फाइनल में हारने के बाद सोशल मीडिया पर फुटबॉल टीम के तीन अश्वेत खिलाड़ियों के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार पर जमकर भड़के हैं। पीटरसन ने इस पर सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में क्या उनके देश को 2030 फीफा विश्व कप की मेजबानी का अधिकार मिलना चाहिए। पीटरसन वेम्बली स्टेडियम में खेले गए फाइनल में इंग्लैंड के शानदार प्रदर्शन के बाद पेनल्टी शूटआउट में इटली से हारने के बाद फैली अराजकता में फंस गए थे। वॉन ने इस पूरे मामले पर कहा कि दोषियों के चेहरों को नेशनल अखबारों के पहले पन्ने पर दिखाना चाहिए। पीटरसन ने ट्वीट करते हुए लिखा, कल रात मैं डायलन के साथ अपनी कार से घर आ रहा था तो स्थिति पूरी तरह से भयानक थी। 2021 में ऐसा व्यवहार? हमें इतनी खुशी देने वाले खिलाड़ियों के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल? क्या हम सच में 2030 वर्ल्ड कप (मेजबानी) के लायक हैं? पीटरसन ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, ब्रिटेन में मीडिया शायद दुनिया में सबसे शक्तिशाली है। यह उनकी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि सोशल मीडिया कंपनियों को हर उस व्यक्ति को वेरीफाई करने के लिए मजबूर किया जाए जिसका उस पर खाता (जो सोशल मीडिया पर मौजूद) है। कोई रोबोट या कोई नकली अकाउंट नहीं होना चाहिए। सभी के लिए जवाबदेही होनी चाहिए। यह समाज को नष्ट कर रहा है। बता दें कि यूनाइटेड किंगडम 2030 में वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए दावा पेश करने वाले देशों में शामिल है। इस मामले पर वॉन ने ट्वीट कर लिखा कि, सोशल मीडिया कंपनियों को उन सभी अकाउंट्स का पर्दाफाश करने की जरूरत है, जो हमारे इंग्लैंड के खिलाड़ियों को गाली दे रहे हैं। बदमाशी करने वाले कायरों को किसी भी सूरत में बेनकाब चाहिए और नेशनल अखबार के पहले पेज पर उनके चेहरे दिखाने चाहिए। पीटरसन और माइकल वॉन से पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और इंग्लैंड में इस खेल की संचालन संस्था फुटबॉल संघ (एफए) ने पेनल्टी शूटआउट में इटली के खिलाफ गोल करने चूकने वाले इंग्लैंड के तीन अश्वेत खिलाड़ियों के प्रति नस्ली टिप्पणी की निंदा की थी।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन और माइकल वॉन यूरो कप फाइनल में हारने के बाद सोशल मीडिया पर फुटबॉल टीम के तीन अश्वेत खिलाड़ियों के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार पर जमकर भड़के हैं। पीटरसन ने इस पर सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में क्या उनके देश को 2030 फीफा विश्व कप की मेजबानी का अधिकार मिलना चाहिए।

रविवार रात हुए फाइनल में मार्कस रशफोर्ड की पेनल्टी गोल पोस्ट से टकरा गई थी, जबकि बुकायो साका और जेडन सांचो की पेनल्टी को इटली के गोलकीपर ने रोक दिया। नियमित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इटली ने पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से जीत दर्ज की।

इटली के मिलान में यूरो 2020 जीत के जश्न में 15 लोग हुए घायल, 3 अस्पताल में भर्ती

एजेंसी,रोम. इटली के मिलान में रविवार रात यूईएफए यूरो 2020 फाइनल में इटली की जीत के जश्न के दौरान 15 लोग घायल हो गए। इटली के नेशनल समाचार पत्र कोरिएरे डेला सेरा के मुताबिक, घायल हुए 15 लोगों में से तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं। अधिकतर लोगों को चोटें मुख्य रूप से कैथेड्रल स्क्वायर पर आतिशबाजी के कारण आई हैं, जहां हजारों लोग रविवार रात को जश्न मनाने के लिए इकट्ठे हुए थे। अस्पताल में भर्ती लोगों में से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। खबरों के मुताबिक, उसके पेट में गहरा घाव है, दूसरे की तीन उंगुलियां कट गई हैं, जबकि तीसरे को कथित तौर पर सड़क पर पड़े बैरियर गिरने से चोटें आई हैं। उल्लेखनीय है कि इटली के फैन्स ने मिलान शहर की नहरों में तैरकर और कूड़ेदान जलाकर इटली की जीत का जश्न मनाया था। कुछ लोग ट्राम के ऊपर चढ़ गए थे और फव्वारों में कूद गए थे। इसी दौरान डकैती के कुछ मामले भी सामने आए, लेकिन अपराधियों को जल्दी पकड़ लिया गया और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इंग्लैंड की हार पर कीवी क्रिकेटर जेम्स नीशम ने कुछ इस तरह लिए मजे, ट्वीट वायरल

नई दिल्ली. इटली ने यूरो कप 2020 के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर दूसरी बार चैम्पियन बनने का गौरव हासिल कर लिया। इस हार के बाद इंग्लैंड की टीम का 55 साल में पहली बार खिताबी सूखे को खत्म करने का सपना टूट गया। इटली ने दूसरी बार यूरो कप का खिताब अपने नाम किया है। टीम ने इससे पहले, साल 1968 में यूरो कप का खिताब जीता था। रविवार खेले गए फाइनल में दोनों टीमें फुलटाइम तक 1-1 की बराबरी पर थी। लेकिन फुलटाइम तक भी मैच के विजेता का फैसला नहीं हो पाया और फिर पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया, जहां इटली की टीम चैम्पियन बनने में सफल रही। इंग्लैंड की इस हार से जहां, फैंस काफी नाराज दिख रहे है, तो वहीं क्रिकेटर भी उनका मजाक उड़ा रहे हैं। न्यूजीलैंड के क्रिकेटर जेम्स नीशम ने भी मजाक उड़ाया है। नीशम ने यूरो कप में मिली हार के बाद इंग्लैंड की फुटबाल टीम को लेकर सोशल मीडिया पर एक ट्वीट किया है, जोकि काफी वायरल हो रहा है। नीशम ने ट्वीट करते हुए लिखा, मैच के नतीजे के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा क्यों लिया गया। मैच के दौरान सबसे ज्यादा पास करने वाली टीम को चैम्पियन क्यों नहीं घोषित किया गया। हालांकि कीवी क्रिकेटर ने अपने ट्वीट के अंत में लिखा कि वह मजाक कर रहे हैं।

बीसीसीआई पीएम मोदी के चीयर फॉर इंडिया अभियान में हुआ शामिल, एथलीटों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट बोर्ड(बीसीसीआई) शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीयर फॉर इंडिया अभियान में शामिल हुआ। टोक्यो ओलंपिक जाने वाले एथलीटों को बीसीसीआई ने वीडियो शेयर कर शुभकामनाएं दी। टोक्यो ओलंपिक 23 जुलाई से शुरू हो रहा है जो 8 अगस्त तक चलेगा। भारत एथलीटों का पहला दल 17 जुलाई को टोक्यो के लिए रवाना होगा। पीएम मोदी ने शुक्रवार को खिलाड़ियों की तैयारियों का जायजा भी लिया। उन्होंने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी कि वह 13 जुलाई को सभी देशवासियों की तरफ से खिलाड़ियों से मुलाकात करेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार को अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में भारतीय क्रिकेट टीम के पुरुष और महिला सदस्यों ने भारत की तरफ से टोक्यो ओलंपिक में जाने वाले एथलीटों को चीयर किया। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में विराट कोहली, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, मिताली राज, हरमनप्रीत कौर, हरलीन देओल और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुभकामनाएं दी। बीसीसीआई ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, बीसीसीआई गर्व से भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टोक्यो जाने वाले भारतीय एथलीटों को पूरी तरह से सपोर्ट करने वाले अभियान में शामिल है। एथलीटों ने कड़ी मेहनत की है और वो जाने के लिए उत्सुक हैं। आइए साथ जुड़िए। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहले ही पुष्टि कर दी है कि मुक्केबाज मैरी कॉम और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह आगामी टोक्यो ओलंपिक में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। वहीं समापन समारोह में पहलवान बजरंग पुनिया ध्वजवाहक होंगे। आईओ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने भी पुष्टि की कि टोक्यो ओलंपिक में जाने वाले दल में 126 एथलीट और 75 अधिकारी होंगे। मोदी ने कुछ समय पहले अपने ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले भारतीय प्लेयर्स के संघर्ष की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने सभी देशवासियों से अपील की थी कि बिना कोई अधिक दबाव डाले इन खिलाड़ियों का सभी समर्थन करें।

यूरो कप का खिताब जीतने के बाद लॉकर रूम में इटली की टीम ने मनाया अनोखा जश्न

नई दिल्ली. यूरो कप के फाइनल में इटली ने इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। इटली की टीम ने दूसरी बार यूरो कप को अपने नाम किया इससे पहले टीम ने साल 1968 में यह टूर्नामेंट जीता था। इटली के खिलाड़ियों ने इस ऐतिहासिक जीत का जमकर जश्न मनाया। सोशल मीडिया पर इटली टीम के लॉकर रूम में हुए जबरदस्त सेलिब्रेशन का वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में टीम के प्लेयर्स एकदम वाइल्ड अंदाज में इस जीत को सेलिब्रेट करते दिखाई दे रहे हैं। इटली और इंग्लैंड के बीच फाइनल मुकाबले में कांटे की टक्कर देखने को मिली और 90 मिनट के खेल में स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। इसके बाद एक्स्ट्रा टाइम में कोई भी टीम एक दूसरे के डिफेंस में सेंध नहीं लगा सकी और मैच का नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इटली की तरफ से डोमानिको बेरार्डी, फेडरिको और लियोनार्डो बोनुची ने गोल दागा, जबकि इंग्लैंड की ओर से हैरी केन, हैरी मैगुओर ने गोल किया। हालांकि, मार्कस रैशफोर्ड, बुकायो साका और जेडन सांचो बॉल को गोल पोस्ट में पहुंचाने में नाकाम रहे और इंग्लैंड का घरेलू दर्शकों के सामने चैंपियन बनने का सपना भी अधूरा रह गया। फाइनल मुकाबले की शुरुआत इंग्लैंड के लिए शानदार रही और ल्यूक शॉ ने मैच के दूसरे ही मिनट में गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद लियोनार्डो बोनुची ने मैच के 67वें मिनट में गोल करके इटली की मैच में वापसी कराई और स्कोर को 1-1 से बराबर किया।

लियोनेल मेसी ने कोपा अमेरिका खिताब को महान डिएगो मारोडोना को किया समर्पित

नई दिल्ली. अर्जेंटीना ने शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन ब्राजील को हराकर कोपा अमेरिका का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही अर्जेंटीना साल 1993 के बाद पहली बार किसी बड़े खिताब को जीतने में सफल रही, साथ ही टीम के कप्तान लियोनेल मेसी भी अपनी टीम को पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट में चैंपियन बनाने में कामयाब रहे। टीम को 15वीं बार कोपा अमेरिका का चैम्पियन बनाने के बाद मेसी ने इस खिताब को अपने परिवार, देश और महान फुटबॉलर डिएगो मारोडोना को समर्पित किया है। मेसी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और लिखा कि, मैं इस सफलता को अपने परिवार को समर्पित करना चाहता हूं, जो हमेशा मेरी मजबूती बनकर रहे हैं। साथ ही यह खिताब मेरे उन सभी दोस्तों और लोगों के लिए है, जिनसे मैं बहुत प्यार करता हूं और जो हमारा खुलकर समर्थन करते हैं। सबसे बढ़कर इस खिताब को उन 45 मिलियन अर्जेंटीना के लोगों को समर्पित करता चाहता हूं, जिन्होंने इस भयानक कोरोना वायरस का सामना किया है। ब्राजील के खिलाफ फाइनल मैच में अर्जेंटीना की तरफ से एंजले डि मारिया ने पूरे मैच में एकमात्र गोल किया। अर्जेंटीना और मेसी के लिए यह जीत काफी बड़ी है, क्योंकि अर्जेंटीना की टीम ने आखिरी बार 1993 में किसी बड़े खिताब पर कब्जा जमाया था। कोपा अमेरिका टूर्नामेंट में अर्जेंटीना को मिली साल 2007, 2015 और 2016 में हार में मेसी टीम का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा विश्व कप 2014 में जर्मनी के हाथों मिली हार भी मेसी को काफी चुभी थी।

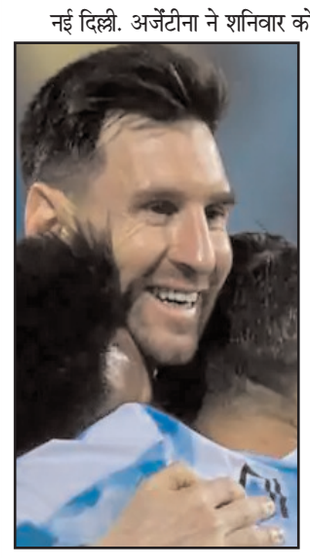

यूरो कप फाइनल में हार के बाद इंग्लिश खिलाड़ियों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी, पुलिस ने शुरू की जांच

एजेंसी, लंदन. ब्रिटेन की पुलिस ने इटली के खिलाफ यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में इंग्लैंड की हार के दौरान पेनल्टी पर गोल करने से चूकने वाले तीन अश्वेत खिलाड़ियों के प्रति नस्ली दुर्व्यवहार की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मार्कस रशफोर्ड, बुकायो साका और जेडन सांचो के प्रति दुर्व्यवहार को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि वे आक्रामक और नस्ली सोशल मीडिया पोस्ट की जांच करेंगे। नियमित और फिर अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इटली ने पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत दर्ज की। इंग्लैंड के फुटबॉल संघ (एफए) ने बयान जारी करके कहा कि वे इस घटिया बर्ताव से स्तब्ध हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों को कार्रवाई करनी चाहिए जिससे कि उनका मंच घृणित दुर्व्यवहार से मुक्त रहे। एफए ने कहा, हम प्रभावित खिलाड़ियों के समर्थन के लिए वह सब कुछ करेंगे जो कर सकते हैं। साथ ही इसके लिए जिम्मेदार लोगों के लिए कड़ी से कड़ी सजा की अपील करते हैं। संघ ने कहा, खेल से भेदभाव को बाहर करने के लिए हम हर संभव प्रयास जारी रखेंगे, लेकिन हम सरकार से विनती करते हैं कि वे जल्द से जल्द कार्रवाई करें और इस दुर्व्यवहार के खिलाफ उचित कानून बनाएं। जिन तीन खिलाड़ियों को लक्ष्य बनाया गया वे इंग्लैंड की युवा टीम का हिस्सा हैं जिसकी उसकी विविधता के लिए सराहना होती है। रविवार के मैच के बाद दक्षिण मैनचेस्टर के एक कैफे की दीवार पर बनी रशफोर्ड की तस्वीर को भी बिगाड़ा गया। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने कहा कि वे नस्ली रूप से प्रभावित नुकसान की जांच कर रहे हैं जो घटना सुबह दो बजकर 50 मिनट पर हुई। मैनचेस्टर पुलिस के मुख्य निरीक्षक पॉल सेविल से कहा, यह अपमानजनक बर्ताव है और इसे बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आपातकाल के कारण टोक्यो में लोग नहीं मना पाएंगे ओलंपिक से जुड़े जश्न

एजेंसी,टोक्यो. ओलंपिक खेलों के शुरू होने से 11 दिन पहले जापान की राजधानी में सोमवार से आपातकाल लागू कर दिया गया, क्योंकि यहां नए मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और अस्पतालों के बिस्तर भरने लगे हैं। छह सप्ताह का यह आपातकाल 22 अगस्त तक लागू रहेगा। महामारी के शुरू होने के बाद यह चौथी बार है जब टोक्यो में आपातकाल लागू किया गया है। नए आपातकाल का मुख्य लक्ष्य बार और रेस्तरां में परोसी जाने वाली शराब को रोकना है, क्योंकि अधिकारी चाहते हैं कि लोग सार्वजनिक रूप से इकट्ठा होने की जगह घर में रहें और टेलीविजन पर इन खेलों का लुत्फ उठाएं। आपातकाल के दौरान पार्क, संग्रहालय, थिएटर और अधिकांश दुकानें एवं रेस्तरां को रात 8 बजे बंद करने का अनुरोध किया गया है। टोक्यो के निवासियों से गैर जरूरी चीजों के लिए बाहर निकलने से बचने और घर से काम करने का अनुरोध किया गया है। लोगों को मास्क पहनने और अन्य सुरक्षा उपायों को अपनाने के लिए कहा गया है। इस आपातकाल से टोक्यो की 1.4 करोड़ जनता के साथ चिबा, सैतामा और कानागावा जैसे

आसपास के शहरों के कुल 3.1 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। इस आपातकाल के उपायों को ओसाका और दक्षिणी द्वीप ओकिनावा में भी लागू किए गए है। स्टेडियम में फैन्स के नहीं होने से इसका 23 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले ओलंपिक पर भी काफी असर पड़ेगा। नए बैन के बाद फैन्स इन खेलों को सिर्फ टेलीविजन पर देख पाएंगे। टोक्यो में शनिवार को कोविड-19 संक्रमण के 950 मामले सामने आए जो पिछले दो महीने में सबसे ज्यादा है। जापान ने हालांकि दूसरे देशों की तुलना में वायरस का बेहतर तरीके से सामना किया है। वहां इसके लगभग 8.20 लाख मामले दर्ज हुए है जिसमें से मरने वालो की संख्या 15,000 है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि टोक्यो के लोग बार-बार लगने वाले आपातकाल से उब गए हैं और इसमें अब सरकार का सहयोग नहीं कर रहे है। बड़ी संख्या में युवा रात आठ बजे के बाद सड़कों और पार्कों में इकट्ठा हो जा रहे है और उन्हें रोकने के लिए अधिकारियों ने रात में गश्त शुरू कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री नोरिहिसा तमुरा ने कहा है कि ओलंपिक के उत्सव के बीच लोगों को शराब पीने से प्रभावी रूप से रोकना बड़ा सिरदर्द होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि जापान में लोग अपनी गर्मी की छुट्टियों और ओलंपिक के दौरान घूमने के कारण एथलीटों और अन्य प्रतिभागियों की तुलना में वायरस के प्रसार में अधिक खतरनाक हो सकते हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने की इंग्लिश खिलाड़ियों पर हुई नस्लीय टिप्पणी की आलोचना, बोले- शर्म आनी चाहिए

एजेंसी,नई दिल्ली. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इंग्लैंड टीम के खिलाड़ियों पर की गई नस्लीय टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। जॉनसन ने कहा कि इस तरह की हरकत करने वाले लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए। दरअसल, यूरो कप 2020 के फाइनल मुकाबले में इटली के हाथों पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करने के बाद इंग्लैंड के तीन अश्वेत खिलाड़ियों पर निशाना साधा गया और सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां की गईं। बोरिस जॉनसन ने अपने ट्वीट में लिखा, इंग्लैंड की यह टीम सोशल मीडिया पर नस्लीय गाली-गलौज नहीं, बल्कि हीरो की तरह तारीफ पाने की हकदार है। इस तरह के घटिया दुर्व्यवहार के लिए जिम्मेदार लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए। रविवार रात हुए फाइनल में मार्कस रशफोर्ड की पेनल्टी गोल पोस्ट से टकरा गई थी जबकि बुकायो साका और जेडन सांचो की पेनल्टी को इटली के गोलकीपर ने रोक दिया। नियमित और अतिरिक्त समय में मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद इटली ने पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से जीत दर्ज की। 19 साल के साका निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहे, जिससे इटली ने खिताब जीता और इंग्लैंड की टीम 1966 विश्व कप के बाद अपना पहला बड़ा खिताब जीतने में नाकाम रही। इन तीनों खिलाड़ियों को तुरंत की सोशल मीडिया पर नस्ली दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड के फुटबॉल संघ ने बयान जारी करके कहा कि वे इस घटिया बर्ताव से स्तब्ध हैं। लंदन पुलिस ने अस्वीकार्य दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि वह आक्रामक और नस्ली सोशल मीडिया पोस्ट की जांच करेंगे।

ओलंपिक का ऐसा जुनून, इस पहलवान ने मकान तक रख दी गिरवी, फिर देश को दिलाया पहला मेडल

टोक्यो ओलंपिक 2020 शुरू होने में अब चंद दिन बचे हुए हैं. 23 जुलाई से 8 अगस्त तक चलने वाले ओलंपिक के लिए 17 जुलाई को भारत का पहला दल टोक्यो के लिए रवाना होगा. इस बीच भारत के एक महान ओलंपिक खिलाड़ी की चर्चा तेज हो गयी है. पहलवान परिवार में जन्मे खाशाबा दादासाहेब जाधव स्वतंत्र भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी हैं. लेकिन उस पहलवान खिलाड़ी की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर सके. उसके बावजूद ओलंपिक में न केवल हिस्सा लिया, बल्कि भारत को पहला मेडल भी दिलाया. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हेलसिंकी ओलिंपिक में भाग लेने के लिए खाशाबा दादासाहेब जाधव लोगों के घर-घर जाकर पैसे मांगे. उनमें ओलंपिक खेलने का ऐसा जुनून सवार हुआ कि अपना मकान भी गिरवी रख दिया. पॉकेट डायनेमो उपनाम से मशहूर खाशाबा दादासाहेब जाधव स्वतंत्र भारत के पहले एथलीट हैं, जिसने भारत को ओलंपिक में मेडल दिलाया. खाशाबा दादासाहेब जाधव ने 1952 में व्यक्तिगत स्पर्धा 54 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता. हालांकि इससे पहले 1948 लंदन ओलंपिक में वो मेडल जीतने में कामयाब नहीं हो पाये थे. बताया जाता है कि खाशाबा दादासाहेब जाधव ने ओलंपिक में तिरंगा लहराने का प्रण लिया था.

खिताब जीतने वाले जोकोविच ने छोटी बच्ची को गिफ्ट किया अपना रैकेट-Video वायरल

नई दिल्ली . सर्बिया के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने विंबडलन 2021 के फाइनल में मेन सिंगल्स का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ने फाइनल में इटली के मैटियो बेरेटिनी को 7-6, 6-3,6-4 ,6-3 से हराकर अपने करियर का 20वां ग्रैंडस्लैम जीता। विंबलडन में जोकोच का यह लगातार तीसरा खिताब है। मैच के बाद जोकोविच ने खिताब अपने नाम किया, लेकिन उससे पहले उन्होंने एक ऐसा काम किया, जिससे वह फैन्स का दिल जीतने में कामयाब रहे। मैच के बाद जोकोविच कोर्ट के दूसरी साइड गए, जहां वह एक नन्हीं सी बच्ची से मिले और उसे अपना रैकेट भेंट किया।

जोकोविच का रैकेट पाकर बच्ची की खुशी का ठीकाना नहीं रहा। दर्शकों के बीच बैठी वो बच्ची अपने हाथ में नोवाक के नाम का बैनर लिए हुई थी, जिसपर नोवाक के नाम का अक्षर लिखा हुआ था। बच्ची के बैनर पर एक तरफ दिल बना हुआ था और दूसरी तरफ जोकोविच का फोटो लगा हुआ था। साथ में उनके नाम का वर्ड भी लिखा हुआ था। बैनर पर एन का मतलब नंबर -1, ओ का मतलब आउटस्टैंडिंग, वी का मतलब विक्ट्रीज, ए का मतलब एम्बीशंस और के का मतलब किशेबल लिखा हुआ था। विंबलडन टूर्नामेंट के ट्विटर और इंस्टाग्राम पर बच्ची का यह वीडियो काफी वायरल रहा है और फैन्स इसे काफी लाइक कर रहे हैं।

स्कॉट स्टायरिस ने यूरो कप 2020 फाइनल में हार के बाद इंग्लैंड के जख्मों पर कुछ ऐसे छिड़का नमक

नई दिल्ली. इंग्लैंड का विम्बले स्टेडियम यूरो कप 2020 के फाइनल का गवाह बना। इटली ने इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। इटली की टीम जहां खुशी से झूम रही थी, वहीं इंग्लैंड टीम और उसके फैन्स काफी निराश थे। घर पर खेलने के कारण इंग्लैंड की टीम फेवरेट थी, मगर इटली की टीम ने सबको गलत साबित कर दिया। दुनियाभर में खेल जगत की हस्तियों ने इटली को उनकी इस जीत पर बधाई और इंग्लैंड को सांत्वना दे रहे हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर स्कॉट स्टायरिस इंग्लैंड की इस हार पर फब्तियां कस कर उनके जख्मों पर नमक छिड़कने का काम कर रहे हैं। इंग्लैंड की इस हार के बाद कीवी क्रिकेटर स्कॉट स्टायरिस ने एक ट्वीट किया जो अब वायरल हो गया है। उन्होंने लिखा है, मुझे समझ नहीं आया, इंग्लैंड के पास ज्यादा कॉर्नर थे, वो विजेता हैं। इस मैच में इंग्लैंड का कॉर्नर काउंट इटली से ज्यादा था। इंग्लैंड के पांच कॉर्नर वहीं इटली के तीन कॉर्नर थे। इससे पहले एक और कीवी क्रिकेट जेम्स नीशम ने ट्वीट कर इंग्लैंड की इस हार पर व्यंग किया। यह ट्वीट साफतौर पर इंग्लैंड की क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 जीत पर तंज था। 2019 के क्रिकेट वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराया था।

सुनील शेट्टी की मुंबई स्थिति बिल्डिंग सील, कोरोना की वजह से बीएमसी ने उठाया कदम

मुंबई. अभिनेता सुनील शेट्टी की बिल्डिंग को सील

कर दिया गया है। वह मुंबई स्थित पृथ्वी अपार्टमेंट्स बिल्डिंग में रहते है। सुनील शेट्टी अपनी पत्नी माना शेट्टी, बेटी अथिया शेट्टी और बेटे अहान शेट्टी के साथ यहीं रहते हैं। बिल्डिंग दक्षिणी मुंबई के अल्टामाउंट रोड पर स्थित है। दरअसल बिल्डिंग में कोरोना के कई मामले सामने आने के बाद बीएमसी ने यह कदम उठाया है। नियम के मुताबिक, किसी भी बिल्डिंग में पांच कोरोना केस मिलने पर उसे सील किया जाएगा। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, बीएमसी एसिस्टेंट कमिश्नर ने बताया कि 'सुनील शेट्टी और उनका पूरा परिवार सुरक्षित है।' सुनील शेट्टी के प्रवक्ता ने बताया कि अभी अभिनेता और उनका परिवार मुंबई से बाहर है। सुनील शेट्टी लंबे समय से इसी अपार्टमेंट में रह रहे हैं। बता दें कि मुंबई में पिछले कुछ दिनों में कोरोना केस की संख्या में बढ़ोत्तरी देखी गई है।

'सबसे बड़ी लड़ाई की अनकही कहानी', रोंगटे खड़े कर देता है अजय देवगन की फिल्म का ट्रेलर

मुंबई. 'भुज द प्राइड ऑफ इंडिया' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में देशभक्ति से भरे डायलॉग्स की भरमार है। जबरदस्त एक्शन और फाइटर प्लेन के सीन्स रोमांच पैदा कर देते हैं। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा 'जब बहादुरी आपकी ढाल बन जाती है तो हर कदम जीत की ओर बढ़ता है। अब तक की लड़ी गई सबसे बड़ी लड़ाई की अनकही कहानी का अनुभव लें।' फिल्म में अजय देवगन भारतीय वायुसेना के अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर विजय कार्णिक की भूमिका में हैं, जिसे युद्ध के वक्त

भुज एयरपोर्ट की जिम्मेदारी दी गई है। वह स्थानीय लोगों की मदद से इस पूरे क्षेत्र को पाकिस्तानी सेना से बचाता है। अजय देवगन के अलावा संजय दत्त और शरद केलकर भी दमदार किरदारों में नजर आते हैं। ट्रेलर मे सोनाक्षी सिन्हा छोटी भूमिका में हैं। उनके अलावा नोरा फतेही भी अलग तरह के किरादर निभाती दिखेंगी। 'भुज- द प्राइड ऑफ इंडिया' को टीसीरीज और अजय देवगन फिल्म्स ने मिलकर प्रस्तुत किया है। इसके निर्माता भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, गिन्नी खनुजा, वजीर सिंह और बन्नी संघवी हैं। फिल्म को अभिषेक दुधैया, रमन कुमार, रितेश शाह और पूजा भवोरिया ने लिखा है।

चेहरे पर झुर्रियां, सफेद बाल, भारती सिंह का क्यों हुआ ऐसा हाल, पति ने कहा-'लेकिन फोन की लत नहीं गई'

मुंबई. भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया टीवी के फेवरेट कपल में से हैं। दोनों दर्शकों को खूब हंसाते हैं। सोशल मीडिया पर भी भारती और हर्ष काफी सक्रिय हैं और मजेदार वीडियोज शेयर करते रहते हैं। अब हर्ष ने एक वीडियो के जरिए भारती का अलग ही रूप दिखाया है। वीडियो देखकर आपको भी यकीन नहीं आएगा कि आखिर भारती इस उम्र में बूढ़ी क्यों दिखने लगीं। उनके बाल सफेद हो चुके हैं, चेहरे पर झुर्रियां हैं और दांत नहीं हैं। इस दौरान वह मोबाइल में व्यस्त हैं। भारती का वीडियो शेयर करते हुए हर्ष कहते हैं, 'वो बूढ़ी हो चुकी थी लेकिन उसे मोबाइल की लत अब भी थी।' उनके इतना कहते ही भारती खांसने लगती हैं। भारती को ऐसा देखकर परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल हर्ष ने इंस्टाग्राम फेस फिल्टर का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा 'मोहब्बत तो हमेशा जवान रहती है, बूढ़ी तो बीवी होती है अक्सर।' वीडियो पर फैंस की जबरदस्त प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। अभी तक इसे छह लाख से ज्यादा लोगों ने देख लिया है। भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया इन दिनों डांस रियलिटी शो 'डांस दीवाने 3' होस्ट कर रहे हैं। दोनों अपनी कॉमेडी से खूब हंसाते हैं। शो में माधुरी दीक्षित जज के तौर पर हैं।

आर्थिक तंगी से जूझ रहीं 'नामकरण' फेम अनन्या सोनी, किडनी फेल होने की वजह से अस्पताल में भर्ती

मुंबई. 'नामकरण' फेम अभिनेत्री अनन्या सोनी अस्पताल में भर्ती हैं और वह आर्थिक दिक्कतों का सामना कर रही हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो भी शेयर किया था और लोगों से मदद की मांग की थी। अस्पताल में इलाज की वजह से उनकी सारी सेविंग्स खत्म हो चुकी है। अनन्या ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उन्हें ऐसा दिन भी देखना पड़ेगा। पिछले छह साल से अनन्या एक किडनी पर ही हैं। ऐसे में उन्हें पैसों की जरूरत है जिससे वह अपना इलाज करा सकें। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए अनन्या ने कहा कि '2015 से मैं एक किडनी पर जीवित हूं। छह साल पहले मेरी दोनों किडनी फेल हो गई थी। जिसके बाद मेरे पिता ने मुझे एक किडनी डोनेट की थी। अचानक, वह किडनी भी खराब हो गई और मुझे नए सिरे से किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत है।' मुश्किल हाला अनन्या इस वक्त मुंबई के होली स्पिरिट अस्पताल में भर्ती हैं जहां उनका इलाज चल रहा है। वह आगे कहती हैं कि 'जब मैं नामकरण और क्राइम पेट्रोल जैसे शोज कर रही थी तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि ऐसी स्थिति आ सकती है।'

पूल के ऊपर कन्हैया बने झूला झूल रहे थे सुष्मिता सेन के बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल, टूट गई रस्सी

मुंबई. मॉडल-ऐक्टर और सुष्मिता सेन के बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल ने इंस्टाग्राम पर मजेदार वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में रोहमन कृष्ण बने नजर आ रहे हैं। पूल में गोपियां नहा रही हैं। वह बांसुरी बजाकर कुछ शरारत करने ही वाले थे तब तक उनके झूले की रस्सी टूट गई। रोहमन पूल के ऊपर लटके दिखाई दे रहे हैं और गोपियां बनीं उनकी को-ऐक्टर्स उनको कैच करने के लिए तैयार दिख रही हैं। रोहमन ने कैप्शन में बताया है कि कैसे शूटिंग करते वक्त रस्सी का एक सिरा खुल गया और वह हवा में लटक गए। इस दौरान उनकी को-ऐक्टर नम्रता उन्हें कैच करने के लिए तैयार थीं। रोहमन के इस वीडियो पर उनके फैंस ने खुशी जताई है कि वह सेफ हैं। रोहमन शॉल सुष्मिता सेन के साथ मुंबई में लिव-इन में रह रहे हैं। सुष्मिता की बेटियों से भी रोहमन की काफी अच्छी बॉन्डिंग है। सुष्मिता अक्सर फैमिली वीडियोज शेयर करती हैं। वहीं उनके इंस्टाग्राम लाइव में भी रोहमन नजर आते हैं।

-: एक नजर:-

आमिर खान पर यूजर्स ने लगाया लद्दाख में गंदगी फैलाने का आरोप, वीडियो शेयर कर सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली. बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस के साथ-साथ पर्यावरण सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के लिए भी पहचाने जाते हैं। वो कई मौकों पर साफ पार्यावरण पर बात कर चुके हैं। इसके अलावा वो जागरुकता फैलाने वाले कई संस्थानों से जुड़े हुए हैं। लेकिन इस बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक खबर के बारे में जानकर आज चौंक जाएंगे। कई यूजर्स आमिर खान पर आरोप लगा रहे हैं कि वो लदाख के गावों में फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग के दौरान कचरा फैला रहे हैं। दरअसल, हाल ही में कुछ यूजर्स ने आमिर खान के वीडियो शेयर किया है। जिसमें दावा किया जा रहा है वो लद्दाख के वाखा गांव में लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग कर रहे हैं। इस वीडियो में दिखाया गया है कि किस तरह वो और उनकी टीम शूटिंग के बाद कचरा छोड़ कर चली गई है। एक यूजर ने ये वीडियो शेयर करते हुए लिखा ये तोहफा बॉलीवुड स्टार आमिर खान आने वाली फिल्म लाल सिंह चड्ढा लद्दाख के वाखा गांव के लिए छोड़ कर गए हैं।

अली गोनी की बहन पर भद्दे कमेंट्स कर रहे ट्रोल्स, देखकर एक्टर ने गुस्से में छोड़ा ट्विटर!

नई दिल्ली, बिग बॉस 14 फेम अली गोनी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं और अपने फैंस के साथ लगातार जुड़े रहने के लिए दिलचस्प पोस्ट शेयर करते दिखाई दे जाते हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने सोशल एकाउंट बंद करने का ऐलान कर दिया है। वो ट्रोल्स से बेहद परेशान हो गए हैं और झुंझलाहट में उन्होंने कई पोस्ट भी किए थे। वो अपनी बहन को ट्रोल किए जाने से नाराज हो गए और उन्होंने लेटेस्ट पोस्ट में गुस्सा जाहिर किया है। इस मामले पर अली की गर्लफ्रेंड जैस्मिन भसीन ने भी पोस्ट शेयर कर सभी से खास अपील की है। अली गोनी की बहन इल्हाम गोनी की गोवा वैकेशन को देखने के बाद कई ट्रोल्स ने निशाना साधना शुरू कर दिया। इल्हाम, जैस्मिन के संग वैकेशन मना रही हैं। वहीं, ट्रोल्स को जवाब देते हुए अली ने अपने पोस्ट में लिखा कि वो परिवार पर हमला करने वाले लोगों से परेशान हो गए हैं और अब सोशल मीडिया से ब्रेक लेने का फैसला किया है। अली ने कई पोस्ट किए हैं। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा मैंने कुछ एकाउंट्स को मेरी बहन के लिए अपशब्द कहते हुए और निगेटिव बातें करते हुए देखा। मैं इन चीजों को इग्नोर कर देता हूं, लेकिन ये इग्नोर नहीं हो रहा है। मेरे परिवार को इसमें खींचने की हिम्मत भी ना करना... मैं अभी बहुत गुस्से में हीं, मैं अपना एकाउंट डिलीट कर सकता हूं। इसके बाद उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा मैं ट्विटर से कुछ समय के लिए जा रहा हूं। मेरे लोगों को बहुत सारा प्यार ।

जब लेस्बियन से जुड़े सवाल पर दीपिका पादुकोण ने उड़ाया करण जौहर का मजाक

मुंबई. करण जौहर अपने चैट शो पर सिलेब्स से ऐसे सवाल पूछते हैं जिनके मसालेदार जवाब मिल सकें। कई बार ऐसा भी होता है कि उनके गेस्ट उन पर भारी पड़ जाते हैं। उनके चैट शो के एक एपिसोड में प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण साथ में आई थीं। करण जौहर ने उनसे लेस्बियन एनकाउंटर पर सवाल किया था। इस दौरान दीपिका और प्रियंका ने करण की बॉडी लैंग्वेज को ऐसे कॉपी किया कि वह शरमा गए थे। उनका पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण के एपिसोड्स हमेशा कॉन्ट्रोवर्सी लेकर आते रहे हैं। शो पर वह सिलेब्स से जानबूझकर ऐसे सवाल पूछते हैं, जो हेडलाइन्स बनें। एक एपिसोड के दौरान उन्होंने दीपिका पादुकोण और कटरीना कैफ से पूछा था कि क्या कभी उनका पाला किसी लेस्बियन से पड़ा है? इस पर दीपिका पादुकोण थोड़ी हैरान हुईं लेकिन प्रियंका ने हां में जवाब दिया। करण अपने सवाल को जस्टिफाई करने लगे तब तक दीपिका बोलीं कि ये कोई पाप नहीं है। इस पर करण कहते हैं, हां ये पाप नहीं है तो दीपिका उन्हें चिढ़ाते हुए बोलती हैं, हां पाप नहीं है लेकिन आप अपना घुटना क्यों मलने लगे? इसके बाद दीपिका और प्रियंका दोनों जोर से हंस पड़ीं और करण शरमा गए।

अंकिता लोखंडे ने शुरू किया पवित्र रिश्ता 2 का शूट, कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर लिखी ये बात

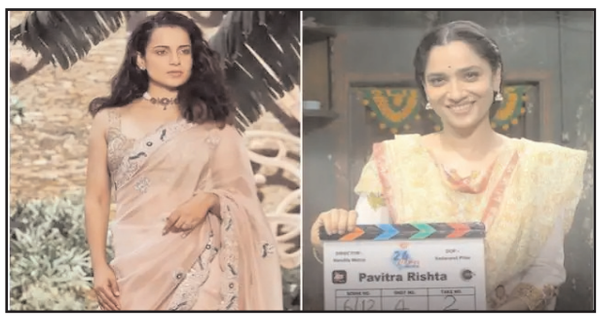

मुंबई. बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। कंगना अपनी फिल्मों के अलावा दूसरे स्टार्स की फिल्मों और टीवी शोज पर भी नजर बनाए रखती हैं और कई बार रिएक्ट भी करती हैं। ऐसे में अब कंगना रनौत ने अंकिता लोखंडे और उनके आने वाले टीवी शो पवित्र रिश्ता 2 पर रिएक्ट किया है। दरअसल मशहूर टीवी शो पवित्र रिश्ता का नया सीजन जल्दी ही शुरू होने वाला है और शूट का शूट शुरू हो गया है।शो की कास्ट के साथ ही एकता कपूर, ऑल्ट बालाजी और जी5 ने कुछ फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर किए। वहीं शो की कास्ट ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करे, ऐसे में अंकिता लोखंडे ने भी इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज और वीडियोज शेयर किए। कंगना रनौत ने अंकिता लोखंडे के बूमरैंग वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर शेयर किया। इसके साथ ही कंगना ने वीडियो का एक सपोर्टिव कैप्शन भी लिखा। कंगना ने कैप्शन में लिखा, %ऑल द बेस्ट अंकिता लोखंडे, पवित्र रिश्ता के नए सीजन को देखने का और अधिक इंतजार नहीं कर सकती। बता दें कि पवित्र रिश्ता के पहले सीजन में अंकिता लोखंडे के साथ ही दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने अहम भूमिका निभाई थी। सुशांत के किरदार को आज भी फैन्स याद करते हैं। वहीं दूसरे सीजन में अंकिता के साथ शाहिर शेख अहम भूमिका में होंगे। ऑल्ट बालाजी ने पवित्र रिश्ता 2.0 के कास्ट की घोषणा करते हुए कैप्शन में लिखा, कभी-कभी सबसे सामान्य जीवन में, हमें सबसे असाधारण प्रेम कहानियां मिलती हैं! मानव और अर्चना की असाधारण प्रेम कहानी का गवाह है। पवित्र रिश्ता फिर लौट रहा है #ALTBalaji पर जल्द ही स्ट्रीमिंग। बात कंगना रनौत के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो अभिनेत्री के खाते में थलाइवी के साथ ही तेजस और धाकड़ भी शुमार है। याद दिला दें कि कंगना की फिल्म थलाइवी की रिलीज डेट कोविड की वजह से टल गई है। तीनों ही फिल्म से कंगना के लुक सोशल मीडिया पर सामने आ चुके हैं।

मैंने करवाई है नाक की सर्जरी.....श्रुती हासन ने बयां किया पैनिक अटैक और एंग्जाइटी का दर्द

नई दिल्ली. बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेस प्लास्टिक सर्जरी को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में रह चुकी हैं। इस लिस्ट में एक्ट्रेस श्रुति हासन का नाम भी शामिल है। उन्होंने अपनी नाक की सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद उन्हें कई बार ट्रोल्स का सामना करना पड़ा, लेकिन ये एक्ट्रेस ऐसे ट्रोल्स को शानदार जवाब देना जानती हैं। कभी सोशल मीडिया पोस्ट तो कभी इंटरव्यूज के जरिए श्रुति, चेहरे पर सर्जरी को लेकर खुलकर बात करती दिखाई दी हैं। वहीं, हाल ही में श्रुति का एक इंटरव्यू खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वो प्लास्टिक सर्जरी पर बात करते हुए बचपन से लेकर अब तक अपनी मेंटल हेल्थ का दर्द भी बयान किया है। श्रुति हासन ने बॉलीवुड में फिल्म लक से एंट्री ली थी। उन्होंने इसके बाद ही सर्जरी करवाई थी, इस बारे में पिंकविला से बात करते हुए उन्होंने कहा ऐसे कई एक्टर्स हैं, जो फिलर्स, राइनोप्लास्टी, कई बार करवाते हैं लेकिन वो इस बारे में बात नहीं करते। वो उनकी च्वाइस है लेकिन मैं इस पर खुलकर बात करना चाहती हूं क्योंकि ये मेरी जिंदगी है, मेरा चेहरा है, ये मेरी च्वाइस है, मेरी बॉडी है। मैं किसी भी तरह से प्लास्टिक सर्जरी को प्रमोट नहीं कर रही हूं लेकिन ये मेरी पसंद है कि मैं अपने चेहरे को ऐसा बनाऊं। उनका कहना है कि मैं जैसी हूं खुद को पूरी तरह एक्सेप्ट करती हैं... इस पर हम सभी काम कर रहे हैं। मैं खुद को आंतरिक तौर पर एक्सेप्ट करने की कोशिश कर रही हूं क्योंकि इसे ठीक करने के लिए कुछ नहीं है। श्रुति ने ये बताया कि जब उन्हें बॉलीवुड की पहली फिल्म लक ऑफर की गई तो उन्होंने वो सिर्फ पैसों के लिए की थी। उन्होंने मेंटल हेल्थ पर बात करते हुए कहा बचपन से ही एंग्जाइटी थी। ये किसी ट्रॉमा की वजह से होती है। इसलिए स्टेज पर जाना मेरे लिए किसी डरावने सपने से कम नहीं था । श्रुती ने बताया कि उन्हें अपने एंग्जाइटी डिसऑर्डर के बारे में 30ह्य के दौरान पता चला। वो कहती हैं कि वो क्यूट बच्ची से असहज टीनएजर कब बन गईं उन्हें पता नहीं चला। लेकिन अब जब वो खुद को आंतरिक तौर पर पूरी तरह एक्सेप्ट कर चुकी हैं तो वो लोगों से यही कहना चाहती हैं कि खुद से प्यार करना एक बहुत अद्भुत यात्रा है, लेकिन इसकी रफ्तार धीमी होती है, कई बार दर्दनाक होती है लेकिन बहुत एक्साइटिंग भी होती है।

जाह्नवी कपूर के मुंह से भैया सुनकर अर्जुन कपूर को लगता है अजीब, बताई वजह

नई दिल्ली. अभिनेता अर्जुन कपूर अपने परिवार से बेहद करीब हैं, वो सोशल एकाउंट पर कई बार फैंस के साथ पर्सनल लाइफ की झलक शेयर करते दिखाई दे जाते हैं। अर्जुन खास कर अपनी बहनों को बहुत प्यार करते हैं, वो कई बार ये बात खुद भी कह चुके हैं। लेकिन हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अर्जुन कपूर ने कहा है कि जाह्नवी कपूर जब उन्हें भैया कहती हैं तो उन्हें बड़ा अजीब लगता है। अर्जुन ने ये भी बताया है कि उन्हें जाह्नवी के मुंह से भैया सुनना इतना अजीब आखिर क्यों लगता है? जाह्नवी और खुशी से अर्जुन कपूर की बॉन्डिंग बेहद स्ट्रॉन्ग है, एक्टर अपनी बहनों के लिए काफी प्रोटेक्टिव भी हैं। कई बार तो अर्जुन सोशल मीडिया पर जाह्नवी को ट्रोल करने वाले लोगों की क्लास भी लगा चुके हैं। हाल ही में उन्होंने अनिरुद्ध गुहा से बात करते हुए बहनों के साथ अपनी कैमिस्ट्री के बारे में खुलकर बात की है। इंटरव्यू में बातचीत के दौरान अर्जुन को बताया गया कि कॉफी विद करण में जब जाह्नवी ने उन्हें अर्जुन भैया कहा तो इसे ट्रांसलेट करके ब्रदर अर्जुन किया गया। ये सुनकर अर्जुन बोले ये बड़ा धार्मिक सा लगता है, ब्रदर अर्जुन। उन्होंने आगे कहा असल में अर्जुन भैया मुझे अभी भी सुनने में बेहद अजीब लगता है। ऐसा इसलिए हैं क्योंकि अंशुला मुझे अजीब तरीके से भाई बुलाती है। अर्जुन भैया काफी नया है मेरे लिए। तो जब जाह्नवी मुझे बुलाती है तो ये मुझे बहुत नया सा लगता है। अर्जुन ने बताया कि उन्होंने कभी जाह्नवी से कभी उन्हें किसी खास नाम से बुलाने के लिए नहीं कहा है। उनका कहना है मैं मानता हूं कि जाह्नवी जब मुझे अर्जुन भैया बुलाती है तो ये नैचुरली आता है। मैंने उससे कभी नहीं कहा कि मुझे ये बुलाओ या वो बुलाओ।

माधुरी दीक्षित, जैकी श्रॉफ, संजय लीला भंसाली ने देवदास को किया याद, शाहरुख बोले धोती बार- बार खुल रही थी

मुंबई. 12 जुलाई 2002 को संजय लीला भंसाली निर्देशित फिल्म देवदास रिलीज हुई थी। फिल्म की रिलीज को सोमवार को 19 साल पूरे हुए। इस खास मौके पर बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान (Shah Rukh Khan) ने कुछ तस्वीरें शेयर कीं और कास्ट की तारीफ की। शाहरुख के अलावा अन्य कास्ट ने भी तस्वीरें शेयर की हैं। शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर देवदास की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शाहरुख खान के साथ संजय लीला भंसाली, माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या राय और जैकी श्रॉफ नजर आ रहे हैं। तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैन्स शाहरुख के पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं। शाहरुख खान ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, सभी लेट नाइट्स और हर सुबह...हार्ड पेस और समस्याएं। सब कुछ सही से हो पाया खूबसूरत माधुरी दीक्षित, शानदार ऐश्वर्या राय, खुशनुमा जैकी श्रॉफ, जिंदगी से भरपूर किरण खेर और पूरी टीम जिन्होंने मास्टर और धैर्य से भरपूर संजय लीला भंसाली के लिए काम किया। दिक्कत सिर्फ एक थी, धोती बार बार खुल रही थी...। आप सभी के प्यार के लिए शुक्रिया। शाहरुख खान के अलावा जैकी श्रॉफ ने भी फिल्म की कुछ तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, आज सिर्फ Y से याद नहीं, Y से यकीन भी नहीं हो रहा... 19 साल हो गए देवदास को। उन सभी बंधुओं का आभार, जिन्होंने साथ दिया। माधुरी दीक्षित ने भी इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, देवदास के सेट से कुछ बेहतरीन और खुशनुमा यादों को याद कर रही हूं। 19 साल के बाद भी सब कुछ एक दम ताजा लगता है... संजय इनको शेयर करने के लिए आपको शुक्रिया। दिलीप कुमार साहब को हमारी श्रद्धांजलि, देवदास के जैसे ही आप भी हमेशा जिंदा रहेंगे। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन हाउस भंसाली प्रोडक्शन्स की ओर से भी सोशल मीडिया पर देवदास को याद किया गया। फिल्म के पोस्ट के साथ ही दिलीप कुमार साहब की देवदास का पोस्टर शेयर किया गया।

शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर देवदास की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में शाहरुख खान के साथ संजय लीला भंसाली, माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या राय और जैकी श्रॉफ नजर आ रहे हैं। तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैन्स शाहरुख के पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं। शाहरुख खान ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, सभी लेट नाइट्स और हर सुबह...हार्ड पेस और समस्याएं। सब कुछ सही से हो पाया खूबसूरत माधुरी दीक्षित, शानदार ऐश्वर्या राय, खुशनुमा जैकी श्रॉफ, जिंदगी से भरपूर किरण खेर और पूरी टीम जिन्होंने मास्टर और धैर्य से भरपूर संजय लीला भंसाली के लिए काम किया। दिक्कत सिर्फ एक थी, धोती बार बार खुल रही थी...।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

निगम में भाजपा की छवि को कालिक पोत रहे है भ्रष्ट अभियंता

केशव पुरम जोन, भवन विभाग-2 बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

अवैध निर्माण की काली कमाई से अभियंता बने "अंबानी"

उ.दि.न.नि आयुक्त श्री संजय गोयल जी कब तक चलता रहेगा भ्रष्टाचार का खेल

कमला नगर, नई दिल्ली

कमला नगर, नई दिल्ली

कमला नगर, नई दिल्ली

श्री संजय गोयल
उ.दि.न.नि, आयुक्त

कमला नगर, नई दिल्ली

कमला नगर, नई दिल्ली

कमला नगर, नई दिल्ली

अवैध निर्माण की काली कमाई से ई.ई जे.बी.मीणा, ए.ई एस.के.सिंगल, संजीव कुमार, जे.ई निशांत सिंह, संजय कुमार, आलोक तिवारी, वीनू खन्ना, सुदेश कुमार, नरेन्द्र मीणा, नवीन कुमार, दीपक त्यागी, राहुल श्रीवास्तव बने "अंबानी" अभियंताओं की काली कमाई चल-अचल व बेनामी सम्पत्ति की श्रीमान निदेशक जी, सीबीआई, भारत सरकार से जांच की मांग।

अध्यक्ष: जन कल्याण न्याय समिति

विज्ञापन-जनहित में जारी.....